दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844   डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'समय और शब्द दोनों अनमोल हैं। समय बीत जाने के बाद और शब्द बोल देने के बाद, दोनों वापस नहीं आते। इसलिए जीवन में हर कदम सोच-समझकर उठाइए, क्योंकि समझदारी ही इंसान की सबसे बड़ी पूंजी है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-182 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 26 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

समय और शिक्षा : सफलता का अटूट गठबंधन

मनुष्य का जीवन अनेक अनुभवों, संघर्षों और अवसरों से मिलकर बना है, लेकिन इन सबके बीच दो ऐसी शक्तियाँ हैं जो किसी भी व्यक्ति के भविष्य की दिशा और दशा तय करती हैं–समय और शिक्षा। यदि समय को जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी कहा जाए और शिक्षा को उस पूंजी का सही निवेश, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। वास्तव में यही दोनों तत्व किसी साधारण व्यक्ति को भी असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँचाने की क्षमता रखते हैं। जिस व्यक्ति ने समय का महत्व समझ लिया और शिक्षा को अपना हथियार बना लिया, उसके लिए जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे बोलता है। समय प्रकृति का वह सत्य है जो कभी रुकता नहीं। यह अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा, राजा-रंक सभी को बराबर मिलता है। हर इंसान के पास दिन के चौबीस घंटे ही होते हैं, लेकिन इन्हीं चौबीस घंटों का उपयोग किसी को सफल बना देता है और किसी को पछतावे की अंधेरी गलियों में छोड़ देता है। समय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एक बार हाथ से निकल जाए, तो फिर कभी वापस नहीं आता। खोया हुआ धन दोबारा कमाया जा सकता है, टूटा हुआ संबंध भी जुड़ सकता है, लेकिन बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। इसलिए जो लोग समय की कीमत नहीं समझते, वे धीरे-धीरे अवसरों से भी दूर हो जाते हैं। आज के दौर में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया ने इंसान को सुविधाएं तो बहुत दी हैं, लेकिन समय की बर्बादी भी उतनी ही बढ़ा दी है। लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रॉल करते हुए गुजार देते हैं, लेकिन जब जीवन में असफलता सामने आती है, तब वे भाग्य और परिस्थितियों को दोष देने लगते हैं। सच तो यह है कि समय कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करता, बल्कि इंसान स्वयं अपने समय के साथ अन्याय करता है। जो युवा आज अपने बहुमूल्य समय को मनोरंजन और दिखावे में गंवा रहे हैं, वही कल अवसरों के अभाव में निराशा और बेरोजगारी का सामना करते नजर आते हैं।

समय के साथ यदि कोई चीज सबसे अधिक आवश्यक है, तो वह है शिक्षा। शिक्षा केवल डिग्री लेने या परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं है। वास्तविक शिक्षा वह है, जो इंसान के भीतर सोचने, समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करे। शिक्षित व्यक्ति केवल नौकरी पाने के लिए नहीं पढ़ता, बल्कि वह अपने जीवन और समाज को बेहतर बनाने की समझ विकसित करता है। शिक्षा इंसान को आत्मनिर्भर बनाती है और उसे अंधविश्वास, संकीर्णता तथा मानसिक गुलामी से मुक्त करती है। दुर्भाग्य की बात यह है कि आज शिक्षा का उद्देश्य भी धीरे-धीरे केवल नौकरी और पैसों तक सीमित होता जा रहा है। विद्यार्थियों पर अंकों की दौड़ इतनी हावी हो चुकी है कि नैतिक शिक्षा, व्यवहारिक ज्ञान और मानवीय संवेदनाएं पीछे छूटती जा रही हैं। शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है। यदि शिक्षा इंसान को विनम्र, संवेदनशील और जिम्मेदार नहीं बना रही, तो वह अधूरी है। आज समाज में बढ़ती हिंसा, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन कहीं ना कहीं शिक्षा के इसी खोखलेपन की ओर संकेत करते हैं। समय और शिक्षा का संबंध एक-दूसरे के बिना अधूरा है। यदि किसी के पास शिक्षा है लेकिन समय का सम्मान नहीं है, तो उसका ज्ञान भी व्यर्थ हो जाता है। वहीं यदि कोई समय का पाबंद है लेकिन शिक्षित नहीं है, तो वह सही दिशा में आगे नहीं बढ़ पाता। समय और शिक्षा का तालमेल ही सफलता का वास्तविक आधार बनता है। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने अपने समय का सही उपयोग किया और शिक्षा को अपनी ताकत बनाया, वही समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बने। महात्मा ज्योतिराव फुले, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और भारत के अनेक महान व्यक्तित्व इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कठिन परिस्थितियों, गरीबी और सामाजिक भेदभाव के बावजूद उन्होंने समय को व्यर्थ नहीं गंवाया और शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। यही कारण है कि उनका संघर्ष आज करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। बाबा साहेब ने कहा था कि 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।' इस संदेश में समय और शिक्षा दोनों की महत्ता छिपी हुई है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी समय की कीमत को समझे और शिक्षा को केवल रोजगार नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण का माध्यम माने। परिवारों और शिक्षण संस्थानों की भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को केवल अंक लाने की मशीन ना बनाएं, बल्कि उन्हें समय प्रबंधन, अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा दें। क्योंकि वही शिक्षा सार्थक है जो व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों से लड़ने का साहस दे।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि समय और शिक्षा जीवन के दो ऐसे पहिए हैं, जिन पर सफलता का रथ चलता है। यदि इनमें से एक भी कमजोर हो जाए, तो जीवन की यात्रा डगमगा जाती है। इसलिए जो व्यक्ति अपने समय का सम्मान करता है और शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी पूंजी मानता है, वही भविष्य का निर्माता बनता है। आने वाला कल उन्हीं का होता है, जो आज अपने समय को संवारते हैं और शिक्षा के प्रकाश से अपने जीवन को दिशा देते हैं।

निकाय,पंचायत चुनाव रुकवाने कोर्ट जाएगी सरकार:पायलट

पीएम मोदी खुद विदेश यात्रा कर रहे, देश को बचत के प्रवचन दे रहे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने निकाय, पंचायत चुनाव नहीं करवाने, पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तंज कसा है। पायलट ने कहा कि कोर्ट के आदेशों के बावजूद राजस्थान सरकार हार के डर से निकाय और पंचायत चुनाव नहीं करवा रही है। इस बार दोबारा 31 जुलाई तक हाईकोर्ट ने चुनाव कराने को कहा है। मुझे लगता है कि ये लोग दोबारा कोर्ट में जाएंगे, अपील करेंगे। चुनाव से डरते हैं। चुनाव होगा तो पोल खुलेगी, कांग्रेस बंपर जीतेगी, इस डर से चुनाव नहीं हो रहे हैं। पायलट ने कहा- निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव पर सरकार को फटकार पड़ चुकी है, कोर्ट बार-बार कह चुका है, इस बार दोबारा 31 जुलाई तक उन्होंने चुनाव कराने के लिए कहा है। सरकार ने न छात्र संघ चुनाव करवाए न पंचायत, नगर पालिका चुनाव करवाए।

हजारों करोड़ रुपए का हो रहा नुकसान

पायलट ने कहा- राजस्थान के लोगों को हजारों करोड़ रुपए का उसमें नुकसान हो रहा है। क्योंकि केंद्र सरकार ने मना कर दिया है कि अगर लोकल बॉडी का बोर्ड नहीं है तो पैसा नहीं मिलेगा। अभी भी आप सरकार के बहाने देखो। कभी गर्मी है, कभी रिपोर्ट नहीं आई है, इस प्रकार के बहाने कोर्ट में देते हैं।

हर रोज बढ़ा रहे पेट्रोल, डीजल के दाम

सचिन पायलट ने कहा- चुनाव के परिणाम आने के बाद रोज पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। बढ़ोतरी करनी थी, जनता पर बोझ डालना था, अगर पहले बताकर करते तो क्या दिक्कत आती? लेकिन चुनाव के समय भाषण देना था। अब कह रहे हैं कि बचत करनी है, खाने के तेल में कमी करनी है, सोना नहीं खरीदना और पेट्रोल-डीजल दाम बढ़ने से चौतरफा महंगाई बढ़ती है।

जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तो खाने के पदार्थ से लेकर हर कोई भी चीज महंगी हो जाती है। ऐसे में महंगाई पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। मुझे लगता है कि सरकार का एक ही मात्र एजेंडा है कि चुनाव जीते, विपक्ष को प्रताड़ित करे, विपक्ष के लोगों को बदनाम करे।

मोदीजी खुद विदेश यात्रा कर रहे, देश को बचत प्रवचन दे रहे

उन्होंने कहा- मोदीजी खुद लगातार विदेश यात्रा कर रहे हैं, ये प्रवचन देश के लिए हैं कि तेल की बचत करो, सोने की बचत करो। महंगाई के इस प्रहार में गरीब जनता की जेब पर डाका डाल रहे हैं और जो पूरी सरकार में बैठे हैं, उनको केवल अपने पदों से मतलब है।

चाहे शिक्षा मंत्री हो, चाहे पेट्रोलियम मंत्री हो, कोई इस्तीफा देने को तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी बनती है। जो विभाग और मंत्रालय काम नहीं कर रहा है, जो लगातार फेल हो रहा है, उसको अकाउंटेबल बनाएं। वह प्रधानमंत्री बिल्कुल नहीं कर रहे हैं।

छात्र नहीं माफिया कर रहे हैं पेपरलीक

उन्होंने कहा- नीट पेपर लीक हुआ, 22 लाख बच्चे ये किन परिवारों के हैं? मध्यम वर्ग के हैं, गरीब के हैं, ग्रामीण क्षेत्र के हैं। इन बच्चों ने दो-तीन साल मेहनत की है। पेपर लीक छात्र नहीं कर रहे हैं, करोड़ों खर्च करके छात्र पेपर नहीं खरीद नहीं सकते। ये कोई सरगना है, कोई शिक्षा माफिया है जो रुपए खर्च कर पेपर खरीदते हैं और फिर चंद लोगों को बांटते हैं। यह राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार उन शिक्षा माफियाओं के खिलाफ क्या कर रही है? ऐसे कितने लोगों को पकड़ा है? कितनी संस्थाओं को पकड़ा है?

सरकार ने नहीं किया पेपरलीक का खुलासा

सचिन पायलट ने कहा- ये जो पेपर लीक का खुलासा हुआ है, यह कोई सरकार ने नहीं पकड़ा है, ना पुलिस ने पकड़ा है। ये तो बच्चों ने कहा कि गेस पेपर और मेन पेपर बराबर है। जब दिल्ली कंप्लेंट हुई तब जाकर इन्होंने सूचित किया, फिर पेपर कैंसिल हुआ। जब बात बिल्कुल बाहर निकल गई, तब मजबूरन कैंसिल करना पड़ा। लेकिन यह सरकार ने थोड़ी पकड़ लिया था इसको। अब जब चोरी पकड़ी गई है तब भी सिर्फ आप जांच के नाम पर पल्ला झाड़ रहे हो। ये एनटीए (NTA) जो है, ये नेशनल ट्रॉमा एजेंसी बन चुकी है और अभी तक कोई जवाबदेही तय नहीं की है। हर मोर्चे पर सरकार फेल है।

'वंदे गंगा' अभियान से गूंजा सुजावलपुर, जल संरक्षण के लिए निकली जन-जागरण प्रभात फेरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़

रवि लोहिया । श्रीगंगानगर । राजस्थान सरकार के 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजावलपुर द्वारा रविवार को जल संरक्षण जागरूकता प्रभात फेरी एवं रैली का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निकाली गई इस रैली ने पूरे गांव में जनचेतना का संदेश दिया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई प्रभात फेरी गांव के मुख्य मार्गों और चौराहों से होते हुए बाबा खेतरपाल मंदिर परिसर पहुंची, जहां ग्रामीणों और मंदिर समिति द्वारा रैली का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों को ठंडा मीठा पानी पिलाकर अभिनंदन किया गया। प्रधानाध्यापक उमेश लोहिया ने बताया कि गंगा दशमी के अवसर पर प्रारंभ हुआ यह राज्यव्यापी अभियान आगामी 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को जल संरक्षण की जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप देना है। उन्होंने कहा कि जल संकट को देखते हुए आज आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति पानी की एक-एक बूंद के महत्व को समझे और जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए। इसी उद्देश्य से विद्यालय स्तर पर प्रभात फेरी, जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान और पौधारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय स्टाफ ने स्कूल परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण भी किया। अभियान के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले भामाशाहों और जल संरक्षण में योगदान देने वाले 'जल योद्धाओं' को जिला स्तर पर 'जल गौरव सम्मान' से सम्मानित किए जाने की जानकारी भी दी गई। रैली में विद्यार्थियों ने जल संरक्षण से जुड़े नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली अनुशासन की जिम्मेदारी परीक्षित घोड़ेला ने निभाई। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष संदीप सिंह, दलजीत सिंह, बलविन्द्र सिंह धोंसी, आंगनबाड़ी स्टाफ, विद्यालय स्टाफ सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक उमेश लोहिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डीग में अंडर-18 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू, पहले मैच में श्यौरावली की टीम विजयी

भीम प्रज्ञा न्यूज.डीग।

रमेश चन्द । सहारई रोड स्थित एकता डिफेंस एकेडमी के तत्वावधान में अंडर-18 क्रिकेट प्रतियोगिता का सोमवार को भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय जनता मजदूर सेल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रचना सिंह ने किया। इस अवसर पर पूर्व सीडीपीओ मोहन स्वरूप पाराशर, समाजसेवी नरेश फौजदार एवं एडवोकेट लोकेश गुर्जर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रतियोगिता के संचालक सुनील चाहर महमदपुर ने बताया कि यह प्रतियोगिता लगभग 10 दिनों तक चलेगी। इसमें केवल 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ी ही भाग ले रहे हैं, जिससे युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का मंच मिलेगा।प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला श्यौरावली एवं पहलवाड़ा की टीमों के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में श्यौरावली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इस अवसर पर सुरजीत सिंह, राजेश गुरु, मनजीत फौजदार, बलदेव फौजदार, माधव पहलवाड़ा, भूपेंद्र, सुमित सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

झुंझुनूं में बसपा का जोन स्तरीय कैडर कैंप आयोजित, संगठन मजबूती और सामाजिक न्याय पर मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ / झुंझुनूं

झुंझुनूं स्थित अंबेडकर भवन में बहुजन समाज पार्टी का जोन स्तरीय संगठन समीक्षा एवं कैडर कैंप आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में संगठन विस्तार, सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों तथा आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं बसपा के केंद्रीय प्रभारी इंजी. रामजी गौतम रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी सामाजिक परिवर्तन और संविधान बचाने की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का आह्वान किया। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट सुरेश राव, एडवोकेट प्रेम बारूपाल एवं एडवोकेट हरि सिंह तेनगुरिया उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक समानता, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी के लिए संगठित संघर्ष की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव तक पार्टी की नीतियों और बहुजन आंदोलन की विचारधारा पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट सीताराम सीला, एडवोकेट अमर सिंह बंसीवाल, पुखराज मेघवाल, मेजर भूपेंद्र मेघवाल, दईराम मेघवाल, सुरेंद्र सेनी, सजनलाल चूड़ी, बंसीधर भीमसरिया, धनपत मेघवाल, धर्म सिंह तनान, हरिराम गुरावा, गुलाब नबी, किशनलाल मेहरिया, रामानंद आर्य, संतलाल मेहरड़ा, राजेंद्र नारनोलिया, धर्मपाल जिलोवा, दारासिंह कलवा, ताराचंद कटारिया, दलीप सिंगवैया, रामावतार मोखरिया, मखन सेनी, सुभाष जोरम, राजवीर खुडी, कमलेश कुमार एवं रामस्वरूप गोठड़ा सहित जोन के सभी जिला अध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठन की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। वक्ताओं ने कहा कि बहुजन समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक और संगठित करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एटीसी कैंप में मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स ने मारी बाजी

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

एनसीसी मुख्यालय जयपुर में 15 से 24 मई तक आयोजित दस दिवसीय एटीसी कैंप में मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़ की एनसीसी कैडेट्स ने बाजी मारी। इस ट्रेनिंग कैंप का उद्देश्य कैडेट्स को सैन्य जीवन का व्यावहारिक अनुभव सीखना, सैनिकों की दैनिक दिनचर्या का पालन करना, शारीरिक क्षमता एवं अनुशासन का प्रशिक्षण प्रदान करना था। जिसमें शारीरिक फिटनेस, सैन्य प्रशिक्षण, बैटल क्राफ्ट, आपदा प्रबंधन, समाज सेवा, प्राथमिक चिकित्सा एवं विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए 6 मेडल प्राप्त किये। इनमें वेपन ट्रेनिंग प्रतियोगिता में भारती, स्नेहा और प्रियांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त करके तीन मेडल प्राप्त किए। पानी सप्लाई व्यवस्था की देखरेख में स्नेहा ढाका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चार्ली कंपनी कमांडर के रूप में पायल कंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर पी प्रतियोगिता में विजय लक्ष्मी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य और समस्त स्टाफ सदस्यों, गोयनका शिक्षा व शोध संस्थान के पदाधिकारी ने छात्राओं एवं एनसीसी लीडर निर्मला ढाका को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास, एवं टीम भावना का विकास करना रहा।

वंदे गंगा जल अभियान कल से, सदाबहार मौहल्ले के युवाओं की अनूठी पहल घर घर जन जागरण व श्रमदान करने का निर्णय

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान सरकार के जल बचाओ अभियान के तहत सदाबहार मौहल्ले के युवाओं ने अनूठी पहल करते हुए घर घर जन जागरण अभियान चलाने तथा श्रमदान करने का निर्णय लेते हुए स्टेशन मार्ग स्थित आदर्श विद्या मंदिर के

सामने बने नोपाराम सुनार के कुंआ से वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान 26 मई मंगलवार को सुबह 6.30 बजे शुरूआत की जायेगी। युवाओं की टीम इस अवसर पर कुंए के आसपास के क्षेत्र में श्रमदान किया जायेगा तथा घर घर अभियान चलाया जाएगा।

पैरेंट्स हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा जीवन में एक सफल इंसान बने। लेकिन सफलता सिर्फ पढ़ाई-लिखाई, अच्छे नंबर या बड़ी डिग्री से नहीं मिलती है बल्कि सफलता तब मिलती है, जब बच्चा अंदर से एक मजबूत इंसान बनता है। यह मजबूती उसे उन छोटी-छोटी लाइफ स्किल्स से मिलती है, जो उसे मुश्किल समय में संभालती हैं। आज के समय में बच्चों पर पढ़ाई और परफॉर्मेंस का दबाव पहले से कहीं ज्यादा है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे अंदर से मजबूत बनें। उन्हें यह समझ आए कि हर बात दिल पर लेना जरूरी नहीं, हर परेशानी से भागना सही नहीं और मदद मांगना कमजोरी नहीं होती। ऐसे में अगर बच्चा ये 5 जरूरी लाइफ स्किल सीख लेता है, तो वह सिर्फ पढ़ाई में नहीं बल्कि जिंदगी के हर मोड़ पर खुद को संभाल पाएगा।

सिर्फ पढ़ाई काफी नहीं! बच्चे में ये 5 स्किल्स होना भी जरूरी है, फिर लाइफ में कभी नहीं टूटेगा

बेइज्जती को बिना टूटे संभालना

जीवन में हर जगह तारीफ नहीं मिलेगी। कभी स्कूल में, कभी दोस्तों के बीच तो कभी काम की जगह पर बच्चे को ऐसी बातें सुननी पड़ सकती हैं जो उसे बुरी लगें। ऐसे समय में अगर बच्चा हर बात से टूट जाता है तो उसका आत्मविश्वास धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। इसलिए उसे यह सिखाना जरूरी है कि हर किसी की राय उसकी पहचान तय नहीं करती। बच्चे को समझाएं कि कुछ लोग गलत बोल सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह गलत है। उसे शांत रहना, अपनी भावनाओं को संभालना और सही समय पर सही जवाब देना सीखना चाहिए। यह आदत उसे मेंटली स्ट्रांग बनाएगी।

थोड़ी परेशानी और असुविधा सहना जरूरी है

आज के समय में कई बच्चे छोटी-छोटी असुविधाओं से परेशान हो जाते हैं। थोड़ी हार, थोड़ा इंतजार या थोड़ी मेहनत भी उन्हें भारी लगने लगती है। लेकिन जिंदगी हमेशा आरामदायक नहीं होती। कई बार मुश्किल हालात से गुजरना पड़ता है। ऐसे में बच्चा तभी मजबूत रहेगा, जब वह थोड़ी असुविधा सहना सीख चुका होगा। उसे हर समय तुरंत सुविधा देने के बजाय कभी-कभी चीजों का इंतजार करना सिखाएं। हर समस्या का हल तुरंत देने की बजाय उसे खुद कोशिश करने दें। इससे उसके अंदर धैर्य और संघर्ष करने की आदत बनेगी। यही आदत आगे चलकर उसे मुश्किल हालात में मैनेज करना सिखाएगी।

अपनी भावनाएं खुलकर बताना जरूरी है

कई बच्चे अंदर ही अंदर दुख, गुस्सा या डर महसूस करते रहते हैं, लेकिन बोल नहीं पाते। धीरे-धीरे यही बातें उनके मन में जमा होने लगती हैं। इसलिए बच्चे को यह एहसास दिलाना जरूरी है कि अपनी भावनाएं बताना गलत नहीं है। उसे ऐसा माहौल दें जहां वह बिना डर के अपनी बात कह सके। अगर वह उदास है, परेशान है या किसी बात से डर रहा है, तो उसे ध्यान से सुनें। हर बार उसे टोकने या जज करने की बजाय उसकी बात समझने की कोशिश करें। जब बच्चा अपनी भावनाएं सही तरीके से व्यक्त करना सीख जाता है, तो उसके रिश्ते भी बेहतर होते हैं और उसका मेंटल स्ट्रेस भी कम होता है, जिससे बच्चा अच्छे से ग्रो कर पाएगा।

मदद मांगना कमजोरी नहीं, समझदारी है

कई बार बच्चे यह सोचने लगते हैं कि अगर उन्होंने मदद मांगी, तो लोग उन्हें कमजोर समझेंगे। यही सोच उन्हें अकेला महसूस करवाने लगती है। जबकि सच यह है कि जरूरत पड़ने पर मदद मांगना एक अच्छी आदत है। बच्चे को समझाएं कि हर इंसान को कभी न कभी किसी की जरूरत पड़ती है। अगर पढ़ाई में दिक्कत हो, मन खराब हो या कोई समस्या समझ न आए, तो भरोसेमंद लोगों से बात करना सही होता है। इससे बच्चा अंदर ही अंदर घुटने की बजाय खुलकर अपनी परेशानी साझा करना सीखता है।

नंबरों से ज्यादा जरूरी है बच्चे की खुद की पहचान

बहुत से बच्चे अपने नंबरों के आधार पर खुद को आंकने लगते हैं। अच्छे मार्क्स आए तो खुश, वहीं कम आए तो खुद को बेकार समझने लगते हैं। यह सोच बच्चे के आत्मविश्वास को धीरे-धीरे कमजोर कर देती है। ऐसे में उसे यह महसूस करवाना जरूरी है कि उसकी कीमत सिर्फ रिपोर्ट कार्ड से तय नहीं होती। उसकी मेहनत, व्यवहार, सोच और कोशिश भी उतनी ही जरूरी हैं। अगर बच्चा खुद को सिर्फ नंबरों से जोड़कर देखेगा तो छोटी असफलता भी उसे अंदर से तोड़ सकती है। लेकिन जब वह अपनी असली पहचान समझेगा, तब वह हर परिस्थिति में खुद पर भरोसा रखना सीखेगा।

बच्चे का दिमाग 3 गुना तेज करना है? तो आज ही शुरू करें ये 3 काम

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा समझदार बने, तेजी से सीखे और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़े। लेकिन ये भी समझना जरूरी है कि बच्चों का दिमाग सिर्फ पढ़ाई से तेज नहीं होता, बल्कि घर का माहौल और पेरेंट्स का व्यवहार भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। पेरेंटिंग कोच रेनू गिरधर ने ऐसे तीन आसान तरीके बताए हैं, जिन्हें अगर पेरेंट्स अपने डेली रूटीन की आदत में शामिल कर लें तो बच्चे की सोचने-समझने की क्षमता बाकी बच्चों के मुकाबले में बेहतर हो सकती है। आइए विस्तार में जानते हैं।

बच्चे के हर सवाल का तुरंत जवाब देने की आदत बदलें

पेरेंटिंग कोच कहती हैं कि जब बच्चा कोई सवाल पूछे तो तुरंत उसका जवाब देने के बजाय उसे खुद सोचने का मौका दीजिए। बच्चे से कहिए कि पहले वह बताए कि उसे क्या लगता है या उसे इस बारे में कितना पता है। ऐसा करने से बच्चा सिर्फ जवाब याद नहीं करता, बल्कि सोचने की कोशिश करता है। धीरे-धीरे उसकी समझने और तर्क लगाने की क्षमता मजबूत होती है। कई बार बच्चे अपने तरीके से जवाब ढूंढने की कोशिश करते हैं और यही आदत उनके दिमाग को एक्टिव बनाती है। अगर पेरेंट्स हर बात का जवाब तुरंत दे देंगे तो बच्चा खुद सोचने की आदत कम विकसित कर पाएगा। इसलिए बच्चों को सोचने का समय देना बहुत जरूरी है।

रोज सिर्फ 10 मिनट बच्चे से दिल से बात करें

आजकल ज्यादातर लोग मोबाइल और टीवी में इतने व्यस्त रहते हैं कि बच्चों को पूरा ध्यान नहीं दे पाते। लेकिन अगर आप रोज सिर्फ 10 मिनट भी बच्चे के साथ बिना किसी डिस्ट्रैक्शन के बिताते हैं तो इसका बहुत अच्छा असर पड़ता है। जब बच्चे से बात करें तो उस समय मोबाइल दूर रखें, टीवी बंद रखें और किसी दूसरे काम में ध्यान न लगाएं। बच्चे की बात ध्यान से सुनिए और उसे फील कराइए कि उसकी बातें आपके लिए जरूरी हैं। जब बच्चे को लगता है कि उसके पेरेंट्स उसकी बातों में दिलचस्पी ले रहे हैं तो उसका कॉन्फिडेंस बढ़ता है। साथ ही वह खुलकर अपनी बातें शेयर करना सीखता है। यही आदत उसकी याद रखने की कैपेसिटी और मेंटल डेवलप में मदद करती है।

बच्चों की रोज तारीफ करना बहुत जरूरी है

कई बार पेरेंट्स बच्चों की गलतियों पर तो तुरंत ध्यान देते हैं, लेकिन उनकी अच्छी बातों की तारीफ करना भूल जाते हैं। पेरेंटिंग कोच का मानना है कि रोज किसी ना किसी बात के लिए बच्चे की सराहना जरूर की जानी चाहिए। अगर बच्चा किसी काम में मेहनत करता है, नई चीज सीखने की कोशिश करता है या अच्छा व्यवहार दिखाता है, तो उसकी तारीफ जरूर करें। आप उससे कह सकते हैं कि तुमने बहुत अच्छा ट्राई किया या तुम्हारी मेहनत अच्छी लगी। ऐसे पॉजिटिव शब्द बच्चों को अंदर से खुश करते हैं। इससे उनका मनोबल बढ़ता है और वे आगे भी अच्छा करने की कोशिश करते हैं।

आपकी इन 5 आदतों की वजह से बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता, रह जाते हैं कमजोर!

अक्सर पेरेंट्स की ये शिकायत रहती है कि उनके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कहीं आपकी ही कोई आदत तो बच्चे का पढ़ाई से मन हटा रही? कई बार माता-पिता अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका असर सीधे बच्चे की सोच, आत्मविश्वास और पढ़ाई पर पड़ने लगता है। बच्चा धीरे-धीरे पढ़ाई को बोझ समझने लगता है और उसका फोकस भी कमजोर होने लगता है। सिर्फ डांटना या बार-बार समझाना हर बार काम नहीं करता, क्योंकि बच्चों पर घर के माहौल और व्यवहार का असर सबसे ज्यादा पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते उन आदतों को पहचाना जाए जो बच्चे को पढ़ाई से दूर कर सकती हैं। चलिए जानते हैं पेरेंट्स की कौन सी आदत, बच्चे का पढ़ाई से मन हटा देती हैं।

सिर्फ नंबरों पर ध्यान देना

कई पेरेंट्स बच्चों की मेहनत से ज्यादा उनके मार्क्स पर ध्यान देते हैं। अगर नंबर कम आ जाएं तो बच्चे को डांटना, दूसरों के सामने उसकी कमी बताना या हर समय पढ़ाई का दबाव बनाना शुरू हो जाता है। इससे बच्चा पढ़ाई को लेकर स्ट्रेस लेने लगता है और धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास कम होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चे की मेहनत और कोशिशों की भी तारीफ की जाए। जब बच्चा खुद को सपोर्ट महसूस करता है, तो उसका मन पढ़ाई में ज्यादा लगने लगता है।

दूसरों से तुलना करना बच्चे को कमजोर बनाता है

कई पेरेंट्स अक्सर अपने बच्चों का कंपैरिजन करते रहते हैं। 'शर्मा जी के बेटे को देखो' जैसी बातें सुनना किसी भी बच्चे को अच्छा नहीं लगता। बार-बार तुलना होने से बच्चे के मन में यह भावना आने लगती है कि वह दूसरों जितना अच्छा नहीं है। इससे उसका आत्मविश्वास टूटने लगता है और वह खुद को पीछे समझने लगता है। हर बच्चे की क्षमता अलग होती है। कोई पढ़ाई में अच्छा होता है तो कोई किसी और चीज में। इसलिए बच्चे की तुलना किसी और से करने के बजाय उसके अपने प्रोग्रेस पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है।

घर का खराब रूटीन भी बड़ी वजह बनता है

अगर बच्चे का सोने और उठने का समय तय नहीं है या वह घंटों मोबाइल और टीवी में लगा रहता है, तो इसका असर भी उसकी पढ़ाई पर साफ दिखाई देता है। बिना सही रूटीन के बच्चे का ध्यान जल्दी भटकने लगता है और वह पढ़ाई में फोकस नहीं कर पाता। पढ़ाई के साथ-साथ सही दिनचर्या भी बहुत जरूरी होती है। बच्चे के लिए ऐसा रूटीन बनाइए जिसमें पढ़ाई, खेल और आराम तीनों के लिए समय हो। इससे बच्चा मानसिक रूप से भी बेहतर महसूस करेगा।

माता-पिता की आदतें भी बच्चों पर असर डालती हैं

बच्चे वही सीखते हैं जो वे घर में देखते हैं। अगर माता-पिता खुद हर समय फोन में बिजी रहते हैं, तो बच्चा भी उसी आदत को अपनाने लगता है। कई बार पेरेंट्स बच्चों को पढ़ाई के लिए कहते हैं, लेकिन खुद लगातार स्क्रीन में लगे रहते हैं। ऐसे में बच्चा बातों से ज्यादा व्यवहार को अपनाता है। अगर आप चाहते हैं कि बच्चा पढ़ाई पर ध्यान दे, तो पहले घर का माहौल वैसा बनाइए जहां स्क्रीन टाइम सीमित हो और परिवार साथ में समय बिताए।

हर समस्या खुद हल करना

कई माता-पिता बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं या उनकी हर छोटी गलती तुरंत सुधार देते हैं। शुरुआत में यह मदद लगती है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चा खुद कोशिश करना छोड़ देता है। उसे हर काम में दूसरों की जरूरत महसूस होने लगती है। जरूरी है कि बच्चे को अपनी गलतियों से सीखने दिया जाए। जब बच्चा खुद मेहनत करता है और अपनी गलती सुधारता है, तभी उसमें जिम्मेदारी की भावना और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

छोटे बच्चों को घर पर कैसे पढ़ाएं? महंगे ट्यूशन नहीं, कोच की बताए ये 3 टिप्स आएंगी काम!

कई पेरेंट्स की शिकायत रहती है कि उनके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता, वह जल्दी बोर हो जाता है या पढ़ने बैठते ही उसका ध्यान दूसरी चीजों में चला जाता है। ऐसे में ज्यादातर माता-पिता बच्चे को डांटना शुरू कर देते हैं, लेकिन हर बार सख्ती करना सही तरीका नहीं होता। बच्चों को पढ़ाई के लिए मजबूर करने के बजाय उन्हें ऐसा माहौल देना जरूरी होता है, जहां वे खुद सीखने में रुचि लेने लगें। घर का माहौल, माता-पिता का व्यवहार और पढ़ाने का तरीका बच्चे की पढ़ाई पर सीधा असर डालता है। अगर बच्चे को सही तरीके से गाइड किया जाए तो वह धीरे-धीरे पढ़ाई को बोझ नहीं बल्कि अपनी आदत बना लेता है। सर्टिफाइड पेरेंटिंग कोच रेनू गिरधर ने ऐसे ही कुछ आसान तरीके शेयर किए हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चे के मन में पढ़ाई के लिए इंटरेस्ट जगा सकते हैं।

पढ़ाई का समय और जगह तय करना जरूरी है

घर पर बच्चों को पढ़ाते समय सबसे पहले उनका एक फिक्स रूटीन बनाएं। बच्चे के पढ़ने का समय और जगह तय कर दीजिए ताकि वह रोज उसी समय पर पढ़ने बैठे। जब बच्चा रोज एक ही जगह और एक ही समय पर पढ़ाई करता है तो उसका दिमाग खुद उस चीज के लिए तैयार होने लगता है। धीरे-धीरे यह उसकी आदत बन जाती है और उसे पढ़ाई में इंटरेस्ट आने लगता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि पढ़ाई की जगह शांत हो और वहां ज्यादा शोर या टीवी जैसी चीजें न हों। इससे बच्चे का ध्यान जल्दी नहीं भटकेगा और वह बेहतर तरीके से फोकस कर पाएगा।

लंबे समय तक पढ़ाने के बजाय बीच में ब्रेक दें

कई पेरेंट्स बच्चे को घंटों लगातार पढ़ने के लिए फोर्स करता हैं, लेकिन छोटे बच्चों के लिए ऐसा करना आसान नहीं होता। बच्चे जल्दी थक जाते हैं और उनका मन पढ़ाई से हटने लगता है। इसलिए बच्चे को लगभग 20 मिनट तक पूरी तरह फोकस करके पढ़ाइए और फिर उसे 5 मिनट का छोटा ब्रेक जरूर दीजिए। यह छोटा सा ब्रेक बच्चे को रिलैक्स महसूस कराता है। इससे वह बोरियत महसूस नहीं करता और दोबारा पढ़ने के लिए तैयार हो जाता है। लगातार पढ़ाने से बच्चा सिर्फ बैठा रहता है, लेकिन उसका ध्यान पढ़ाई में नहीं रहता।

गुस्से की जगह आसान और मजेदार तरीका अपनाएं

अगर बच्चे को कोई चीज समझ नहीं आ रही है, तो उस पर गुस्सा करने या चिल्लाने की गलती ना करें। हर बच्चा अलग होता है और हर बच्चे का सीखने का तरीका भी अलग होता है। कुछ बच्चे जल्दी समझ जाते हैं, जबकि कुछ बच्चों को थोड़ा समय लगता है। आप बच्चे को किसी ड्राइंग, कहानी या अलग-अलग चीजों का उदाहरण देकर समझा सकते हैं। जब बच्चे को मजेदार तरीके से चीजें समझाई जाती हैं, तो उसका पढ़ाई में इंटरेस्ट बढ़ता है। बच्चा बिना डर के सवाल पूछता है और नई चीजें सीखने की कोशिश करता है।

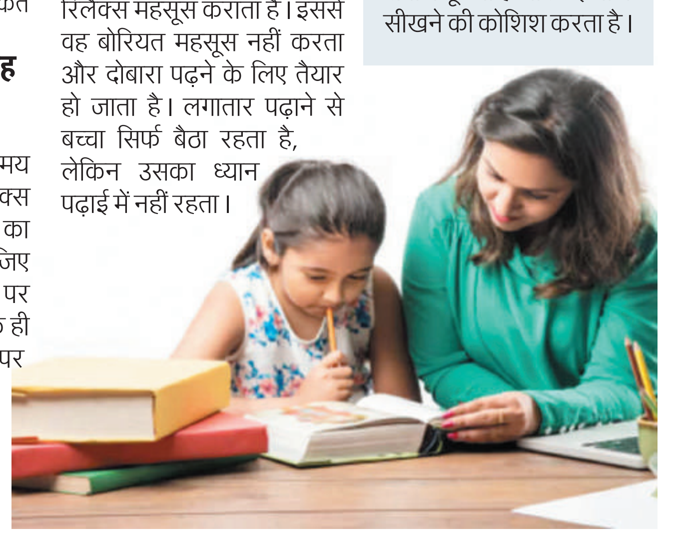

सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप: रोमांचक मुकाबलों से मैदानों में छाया उत्साह, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

मेजबान जीवनी इंटरनेशनल स्कूल की बेटियों का जलवा, शाह सतनाम गर्ल्स स्कूल को 4-0 से रौंदा

गुरुकृपा झुंझुनूं और केशवानंद सीकर ने दर्ज की धमाकेदार जीत, खेलों से विकसित होती है नेतृत्व क्षमता: सांवरमल मील

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन मैदानों पर जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात के विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, कड़े अनुशासन और अद्वितीय टीम भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता को लेकर न केवल खिलाड़ियों और कोचों में, बल्कि स्थानीय खेल प्रेमियों में भी भारी उत्साह बना हुआ है।अंडर-17 बालक वर्ग के पहले मुकाबले में गुरुकृपा स्कूल, झुंझुनूं ने मैदान पर शानदार मूव्स बनाते हुए देव विद्यालय, सीकर को शिकस्त दी। वहीं, दूसरे मुकाबले में केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर ने अपने आक्रामक खेल के दम पर प्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल, बिजयनगर को पराजित कर खिताब के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। दोनों ही मैचों में खिलाड़ियों की तेज गति, सटीक पासिंग और बेहतरीन तालमेल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। बालिका वर्ग में मेजबान जीवनी इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने घरेलू मैदान का पूरा फायदा उठाते हुए दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। जीवानी स्कूल की बेटियों ने शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई और शाह सतनाम गर्ल्स स्कूल, श्रीगंगानगर को 4-0 के बड़े अंतर से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। बालिका वर्ग के ही एक अन्य मैच में देव विद्यालय ने डालमिया विद्या मंदिर पर 3-1 से प्रभावशाली जीत हासिल की। इस वर्ग में प्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल और डोनिया स्कूल के बीच का मुकाबला कांटे का रहा। दोनों टीमों ने अंत तक हार नहीं मानी और मैच बराबरी (ड्रॉ) पर समाप्त हुआ। वहीं, केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर ने अपना दबदबा कायम रखते हुए डालमिया विद्या मंदिर को 3-0 से करारी शिकस्त दी। विद्यालय के निदेशक ऋतेश मील ने बताया कि सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। उन्होंने जानकारी दी कि बाहर से आने वाली सभी टीमों के आवास, भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम विद्यालय प्रशासन द्वारा किए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में नॉकआउट मुकाबले और भी ज्यादा रोमांचक होंगे। टूर्नामेंट के सफल संचालन में खेल अधिकारियों, रेफरी, स्वयंसेवकों और विद्यालय स्टाफ का विशेष योगदान रहा। विभिन्न मैदानों पर चल रहे मैचों को देखने के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और खेल प्रेमी पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा स्कूल परिसर खेल उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

'खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार होता है।'

सांवरमल मील चेयरमैन, जीवनी इंटरनेशनल स्कूल चिड़ावा

स्व. श्रीचंद राव की पुण्यतिथि पर श्रमदान व पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

घरड़ाना खुर्द में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा, ग्रामीणों ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

सिंघाना क्षेत्र के घरड़ाना खुर्द गांव में समाजसेवी स्व. चौधरी श्रीचंद जी राव की 12वीं पुण्यतिथि पर विशाल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान किया गया तथा बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करते हुए परिंडे लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरपाल सिंह राव रहे, जबकि अध्यक्षता समाजसेवी नोरग राव ने की। मंच संचालन शिक्षाविद एवं पूर्व प्रधानाचार्य विजयपाल सिंह राव ने किया। पूर्व युवा कांग्रेस जिला सचिव सरजीत राव ने बताया कि स्व. चौधरी श्रीचंद राव की इच्छा थी कि हर वर्ष उनकी स्मृति में सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान किया जाए और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की जाए। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर बजरंग, जगदीश, ईश्वर, बलबीर सिंह, सुभाष, मनरूप, देशराम, भानाराम, करण सिंह, संदीप, धर्मपाल, प्रदीप, सरजीत राव, रविन्द्र, अंकित, वेदांत, निशांत, प्रिश, विनय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में स्व. श्रीचंद राव के पुत्र बलबीर सिंह राव ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पहुंचे पीड़ित छात्र प्रदीप मेघवाल के घर, जिला कलेक्टर से फोन पर जताई नाराजगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.गुढ़ागौड़जी।

प्रदीप मेघवाल

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा

नीट पेपर लीक मामले से जुड़े छात्र प्रदीप मेघवाल की आत्महत्या के बाद रविवार शाम पूर्व मंत्री राजेंद्र? ?गुढ़ा ने ?पीड़ित परिवार से मिलने उनके गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवार की मौजूदगी में सीकर जिला कलेक्टर को फोन लगाकर प्रशासनिक संवेदनशीलता पर सवाल उठाए। बातचीत का वीडियो भी सामने आया है। फोन पर बातचीत के दौरान राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि नीट पेपर लीक और छात्र की आत्महत्या के कारण सीकर पूरे देश में चर्चा में है, लेकिन जिला प्रशासन की ओर से परिवार को सांत्वना देने तक की पहल नहीं हुई। उन्होंने जिला कलेक्टर से कहा कि 'पूरे देश में सीकर बदनाम हो रहा है और आप परिवार से मिलने तक नहीं पहुंचे। अधिकारियों के अंदर संवेदनशीलता नहीं बची है।'

जिला कलेक्टर ने जवाब देते हुए कहा कि प्रशासन के अधिकारी लगातार परिवार के संपर्क में थे और पूरे मामले की जानकारी ली जा रही थी। इस पर गुढ़ा ने आरोप लगाया कि मौके पर एक पटवारी तक नहीं पहुंचा और परिवार को अधिकारियों द्वारा प्रताड़ित किया गया। बातचीत के दौरान प्रदीप के पिता राजेश कुमार ने भी फोन पर आरोप लगाया कि अधिकारी सुनील जांगिड़ और राजेश बुड़ानिया ने उन्हें परेशान किया और जांच घर से शुरू करवाने की धमकी दी। इस पर जिला कलेक्टर ने मामले की जांच करवाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिया। गौरतलब है कि झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी क्षेत्र के कनिका की ढाणी बाड्या नाला निवासी 22 वर्षीय प्रदीप मेघवाल पिछले तीन वर्षों से सीकर में रहकर नीट यूजी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। परीक्षा के बाद पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की खबरों के चलते वह तनाव में रहने लगे थे। 15 मई को सीकर स्थित अपने किराए के कमरे में उन्होंने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। राजेंद्र गुढ़ा ने बातचीत के दौरान रीट पेपर लीक मामले का भी जिक्र करते हुए कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है, लेकिन अधिकारी स्तर पर संवेदनशीलता की कमी दिखाई दे रही है। उन्होंने जिला कलेक्टर से पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर उन्हें सांत्वना देने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

मंडावा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का ब्लॉक स्तरीय शुभारंभ

तेतरा तालाब और अलखियान जोहड़ पर विशेष कार्यक्रम, जल संरक्षण व पर्यावरण संवर्धन का लिया संकल्प

पाणी रो मान राखो-जीवन रो ध्यान राखो' के संदेश के साथ मंडावा में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की पहल

कलश यात्रा ,जोहड़ा जल पूजन, श्रमदान, वृक्षारोपण ,पीपल पूजन के साथ मंडावा में जल बचाने का संकल्प, ग्रामीणों ने दिखाई बड़ी भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार मंडावा क्षेत्र में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' का ब्लॉक स्तरीय शुभारंभ रविवार को ग्राम पंचायत तेतरा के तालाब एवं शहरी क्षेत्र स्थित अलखियान जोहड़ पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के साथ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और प्राकृतिक जल स्रोतों की सुरक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता पैदा करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी और भव्य कलश यात्रा से हुई। महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक सिर पर कलश धारण कर जल संरक्षण का संदेश देते हुए यात्रा निकाली। इसके बाद गंगा मैया पूजन, महाआरती, जल पूजन, पीपल पूजन एवं सरोवर पूजन जैसे धार्मिक और पर्यावरणीय कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे प्रकृति संरक्षण और जल बचाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। अभियान के तहत तेतरा तालाब एवं अलखियान जोहड़ पर श्रमदान कर साफ-सफाई की गई तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। ग्रामीणों और अधिकारियों ने वर्षा जल संचयन, तालाबों की स्वच्छता बनाए रखने और जल स्रोतों को सुरक्षित रखने की शपथ लेते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मंडावा पंचायत समिति के विकास अधिकारी अमित चौधरी ने उपस्थित लोगों को जल स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग का संकल्प दिलाया। वहीं मंडावा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है और जनभागीदारी के बिना ऐसे अभियानों की सफलता संभव नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों से जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए जल बचाने की अपील की। कार्यक्रम में पंचायती राज, ग्रामीण विकास, जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजीविका, कृषि, शिक्षा, जलदाय, विद्युत, समाज कल्याण और सांख्यिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान आनंद सोलंकी (नगर पालिका मंडावा), एईएन संजेश कुमार विद्युत विभाग, रामसिंह गुर्जर जलदाय विभाग, सत्यनारायण शर्मा, सुजीत कुमार, नरेंद्र कुमार, बीडीओ अमित चौधरी, सावित्री देवी (सरपंच तेतरा), राकेश कुमार (एडीओ), राजेश सैनी, कैलाश चंद्र,एएओ वेद प्रकाश, रवि मीणा, सुनील माहिच राकेश सोनी, सुरेंद्र कुमार,एलडीसी राजकुमारी, ताराचंद, महिला बाल विकास विभाग पुष्पा राठौड़, उषा कुल्हारी, राम सिंह गुर्जर (जेईएन), संजय कुमार, सामाजिक कल्याण ब्लॉक अधिकारी सुनीता धायल, शारदा सांख्यिकी विभाग सीबीईओ पवन कुमार, जल ग्रहण विभाग एवं भू संरक्षण अधिकारी भारत गोरा, सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण महिलाएं व पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अभियान के दौरान 'पाणी रो मान राखो-जीवन रो ध्यान राखो' का संदेश देते हुए लोगों से जल बचाने, तालाबों की नियमित साफ-सफाई रखने तथा वर्षा जल संचयन को अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम ने जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे सामाजिक जागरूकता के प्रभावी अभियान के रूप में मजबूत संदेश दिया। तहसीलदार डॉ सुरेंद्र भास्कर के नेतृत्व में वृक्षारोपण करते हुए तुलसी के पौधे वितरित किए गए।

विधायक काला ने कॉस्टेबल भींवाराम को शहीद का दर्जा देने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने कांस्टेबल भींवाराम कै पैतृक गांव भोड़की पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक काला ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर कांस्टेबल भींवाराम को शहीद का दर्जा देने के लिए मांग की। पत्र में उन्हें लिखा कि भींवाराम मेघवाल चालक, जिन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, साहस एवं समर्पण के साथ किया। 17 मई को पुलिस गश्त के दौरान बदमाशों के पीछा करते समय गाड़ी का दुर्घटना का शिकार होने पर असामयिक निधन को प्राप्त हुए हैं। उनके निधन से परिवार, समाज एवं विभाग को अपूरणीय क्षति हुई है। भींवाराम मेघवाल चालक ने अपने सेवा काल में सदैव ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया। कर्तव्य पालन के दौरान हुई इस दुर्घटना में उनका बलिदान अत्यंत दु:खद एवं सम्माननीय है।जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें 'शहीद' का दर्जा प्रदान किया जाना न्यायोचित एवं प्रेरणादायक होगा। अत: भींवाराम मेघवाल चालक (पुलिस) को शहीद का दर्जा प्रदान कर उनके परिवार को उचित सम्मान एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की कृपा करें, ताकि उनके परिजनों को संबल मिल सके तथा समाज में सेवा एवं बलिदान की भावना को प्रोत्साहन प्राप्त हो।

101 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न, प्रदेशाध्यक्ष हरिनंद कहार ने दिया एकता का संदेश

गंगा दशमी पर टोंक में उमड़ा जनसैलाब, समाज बंधुओं ने वर-वधु को दिया आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोंक।

गंगा दशमी के पावन अवसर पर टोंक जिला मुख्यालय में कीर-कहार-केवट समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में 101 जोड़ों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं महिलाओं की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन स्थल पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में कहार कीर-केवट-कश्यप-मेहरा विकास मंच के प्रदेशाध्यक्ष एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निजी सचिव हरिनंद कहार मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए समाज की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए युवाओं को आगामी निकाय एवं पंचायत चुनावों में आगे आकर चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने समाज के युवाओं को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया।समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अजीत मेहता ने कहा कि मेहनतकश समाज के हितों की रक्षा के लिए वे सदैव साथ खड़े हैं और समाज की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए पूरा सहयोग करेंगे। सम्मेलन के दौरान समिति की ओर से 5100 रुपये से अधिक सहयोग राशि देने वाले भामाशाहों का सम्मान भी किया गया। आयोजन समिति द्वारा सभी समाज बंधुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री किरणपाल कश्यप, मुख्य संरक्षक बजरंग लाल मेहरा, प्रदेश संरक्षक मोतीलाल मेहरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष फूलचंद कहार एडवोकेट, युवा नेता राजू कश्यप एडवोकेट, अध्यक्ष रमेश मेहरा, संरक्षक पप्पू समरवाल, सचिव रमेश पार्षद, मुकेश कश्यप एक्टिव पार्षद, वरिष्ठ नेता समाजसेवी रामजीलाल पटेल, सम्मेलन संयोजक किशन लाल कहार, डॉ. नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट, प्रचार मंत्री जितेन्द्र धीवर सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

गंगा दशहरा पर बुहाना में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ

पीपल पूजन व तालाब पूजन कर दिया जल संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर बुहाना में पीपल पूजन एवं तालाब पूजन के साथ 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति सांस्कृतिक आस्था को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पीपल वृक्ष एवं जल स्रोतों का विशेष आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व रहा है। प्रकृति संरक्षण की परंपराएं केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जल बचाने, पर्यावरण संरक्षित रखने और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में अशोक कुमार, बजरंग लाल जाखड़, मंडल अध्यक्ष विक्रम, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, पूर्व प्रधान कृष्ण यादव सहित बड़ी संख्या में सरपंच, अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी से जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं स्वच्छ पर्यावरण निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

भामाशाह मुकेश कुमार जांगिड़ ने विद्यालय को भेंट किए फर्नीचर

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़बर में कार्यालय उपयोग हेतु टेबल व कुर्सियां दीं

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना उपखंड के बड़बर स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़बर में भामाशाह मुकेश कुमार जांगिड़ ने विद्यालय के लिए कार्यालय उपयोग हेतु एक बड़ी टेबल एवं चार कुर्सियां भेंट कीं। भेंट किए गए फर्नीचर की अनुमानित कीमत करीब 35 हजार रुपये बताई गई है। विद्यालय के शिक्षक राजेश कुमार जांगिड़ ने भामाशाह को विद्यालय के लिए सहयोग करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्या राजेश करोल ने भामाशाह मुकेश कुमार जांगिड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का सहयोग विद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं गांव से पहुंचे ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भगवा रक्षा वाहिनी ने किया भीषण गर्मी में गंगा दशमी पर कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ का वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

नौतपा के पहले ही दिन शहर में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए समाजसेवी पवन काबरा की प्रेरणा से भगवा रक्षा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ का वितरण कर वहां के वाशिंदों को राहत देने की पहल की है। यह जानकारी देते हुए वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी व संरक्षक सुरेश जाजोदिया ने बताया कि लक्ष्मनगढ हाल दिल्ली निवासी समाजसेवी व्यवसायी पवन काबरा की प्रेरणा से लक्ष्मनगढ के आसपास की कच्ची बस्तियों में रहने वालों को ठंडी छाछ का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर वाहिनी के संरक्षक गिरधारीलाल जाजोदिया, पार्षद पवन बाल्मीकि, महेश कुमार सैन उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार आदि ने छाछ वितरण कार्य में अपनी सेवाएं दी।

20 साल से बंद आम रास्ता खुलवाकर वार्ड नंबर 1 को मिली राहत, पार्षद के प्रयास से हुआ समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

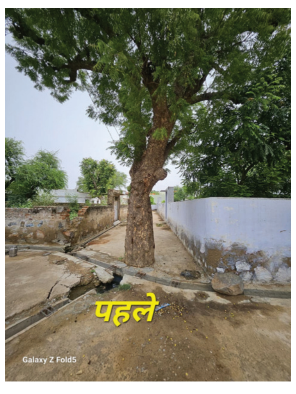

पवन कुमार शर्मा । मंडावा वार्ड नंबर 1 में करीब 20 वर्षों से बंद पड़े आम रास्ते को खुलवाकर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत दिलाई गई। वार्ड के बीचों-बीच एक बड़ा पेड़ होने के कारण यह रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध था, जिससे आमजन को लंबे समय से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पार्षद ने बताया कि करीब दो महीने की प्रशासनिक प्रक्रिया और लगातार प्रयासों के बाद उनके निवेदन पर तत्कालीन एसडीएम मुनेश कुमारी एवं तत्कालीन अधिशाषी अधिकारी जैकिराम गोयल की संयुक्त अनुमति से उक्त पेड़ को हटाने की कार्रवाई की गई। रास्ता खुलने से वार्डवासियों को आवागमन में सुविधा मिली और वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हुआ।उन्होंने कहा कि अपने 5 साल के कार्यकाल में यह कार्य उनकी नजर में सबसे महत्वपूर्ण और सफल प्रयासों में से एक रहा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पेड़ हटाने के बदले 20 नए पौधे लगाने का कार्य भी कराया गया, जिससे विकास और पर्यावरण संरक्षण का संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस कार्य को लेकर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई और इसे वार्ड हित में एक बड़ा कदम बताया।

नीमराना में पेंशनर्स ने आरजीएचएस सुविधा बहाल करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । राजस्थान पेंशनर समाज ने सोमवार को आरजीएचएस यानी राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तहत बंद पड़ी चिकित्सा सुविधाओं को बहाल करने की मांग को लेकर नीमराना में प्रदर्शन किया। पेंशनर्स ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम महेंद्र सिंह यादव को ज्ञापन सौंपकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। पेंशनर्स ने बताया कि पिछले करीब एक वर्ष से आरजीएचएस योजना के तहत अनुमोदित अस्पतालों और फार्म स्टोर्स पर निःशुल्क उपचार एवं दवाइयों की सुविधा प्रभावित चल रही है। 14 अप्रैल 2026 के बाद हालात और बिगड़ गए हैं, जिससे प्रदेशभर के हजारों पेंशनर्स को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि वृद्धावस्था में अधिकांश पेंशनर्स नियमित दवाइयों और उपचार पर निर्भर रहते हैं, लेकिन योजना का प्रभावी संचालन नहीं होने से उन्हें आर्थिक व मानसिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा है। कई पेंशनर्स को मजबूरी में निजी खर्च पर इलाज कराना और दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। राजस्थान पेंशनर समाज ने मांग की कि आरजीएचएस योजना को बीमा मॉडल पर संचालित न किया जाए तथा ओपीडी और आईपीडी की वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखा जाए। साथ ही 14 अप्रैल 2026 से अब तक जिन पेंशनर्स ने नकद भुगतान कर उपचार कराया है, उनकी राशि का शीघ्र पुनर्भरण किया जाए। अनुमोदित अस्पतालों और फार्म स्टोर्स को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। पेंशनर्स ने कहा कि इस संबंध में कई बार चिकित्सा विभाग एवं आरजीएचएस अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान लक्ष्मण प्रसाद, ब्रजसिंह चौहान, भीमसिंह सोनी, बजरंग शर्मा, लक्ष्मीनारायण योगी, दयानंद यादव, अभय सिंह यादव, सुभाष कुमावत, रामनिवास निमोरिया सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहें।

हर बूंद से संवरेगा राजस्थान: 'वंदे गंगा अभियान' से जल संरक्षण को मिलेगा जनआंदोलन का स्वरूप - के.के. गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रदेश में जल संरक्षण, जल संचय और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सोमवार से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान सरकार के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने कहा कि जल संरक्षण अब केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा जनआंदोलन बनना चाहिए। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान जैसे जल संकट प्रभावित प्रदेश में वाटर हार्वेस्टिंग, तालाबों के संरक्षण, जल आवक मार्गों से अतिक्रमण हटाने और जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान देना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संग्रहण और तालाबों का संवर्धन भविष्य की पीढ़ियों को जल संकट से बचाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी 'रामजल सेतु लिंक प्रोजेक्ट' को राज्य के जल प्रबंधन और न्यायसंगत जल वितरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। गुप्ता ने कहा कि यह परियोजना राजस्थान के जल भविष्य को नई दिशा देने में सक्षम है। साथ ही उन्होंने डूंगरपुर में पूर्व में किए गए जल संरक्षण मॉडल का उल्लेख करते हुए बताया कि वाटर हार्वेस्टिंग और जल स्रोतों के पुनर्जीवन से भूजल स्तर में सुधार और पानी की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव संभव है। उन्होंने विश्वास जताया कि 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के माध्यम से राजस्थान जल संरक्षण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की ओर मजबूत कदम बढ़ाएगा।

सेंट विवेकानंद पब्लिक स्कूल की अध्यापिका सुमिता अनुज कुमार शर्मा 'भारत गौरव एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सेंट विवेकानंद पब्लिक स्कूल की अध्यापिका सुमिता अनुज कुमार शर्मा (निवासी बगड़, झुंझुनूं) को साहित्य, दर्शन, संगीत एवं लेखन के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर के 'भारत गौरव एक्सीलेंस अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। यह विशिष्ट सम्मान उन्हें जिवरान फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया है। सुमिता शर्मा को यह विशेष सम्मान उनकी उत्कृष्ट लेखन कला, साहित्यिक चिंतन, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और समाज में सकारात्मक प्रेरणा जगाने के लिए दिया गया है। साहित्य और संगीत के क्षेत्र में उनकी निरंतर साधना तथा सृजनात्मक कार्य समाज और युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ा प्रेरणास्रोत हैं। संस्थान और प्रबुद्धजनों ने जताई खुशी, दी बधाई सुमिता अनुज कुमार शर्मा को यह राष्ट्रीय गौरव मिलने पर चिड़ावा सहित पूरे जिले में हर्ष की लहर है। इस उपलब्धि पर सेंट विवेकानंद पब्लिक स्कूल के निदेशक अनिल गुप्ता, प्रबंध निदेशक प्रणय गुप्ता और प्रिंसिपल स्वाति गुप्ता ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। इसके साथ ही श्री विवेकानंद मित्र परिषद के संरक्षक रोहिताश्व महला, संजय दाधीच, मनोज मान, ब्रह्म चैतन्य संस्थान के पूर्व अध्यक्ष राजन सहल, सनातन आश्रम के अधिष्ठाता प्रभु शरण तिवाड़ी, वेदांत तथा सौरभ चौरसिया आदि प्रबुद्धजनों ने भी सुमिता शर्मा को बधाई प्रेषित की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए खुशी जाहिर की है।

राजस्थान पेंशनर्स समाज पिलानी द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

राजस्थान पेंशनर्स समाज पिलानी द्वारा पेंशनर्स को आरजीएचएस में अनुमोदित चिकित्सालयों एवं फार्मा स्टोर्स द्वारा निशुल्क चिकित्सा सुविधा बिना किसी व्यवधान के नियमित रूप से उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष चुन्नीलाल वर्मा, मंत्री रामनिवास जांगिड़, कोषाध्यक्ष विद्याधर के नेतृत्व में भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार पिलानी को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर डा. डी. अन गुप्ता, डा. एम.एस शेखावत, प्यारेलालजी डूडी, सुरेन्द्र शर्मा, राधेश्याय शर्मा, महेन्द्रवर्मा, सुशील शर्मा, मोहन बुडानिया, नरेन्द्र,राजेन्द्र शर्मा, धर्मपाल आर्य, महाबीर सैनी, सीताराम पिपलवा बनवारी गोदारा, बिशम्बर गेट विक्रम सिंह राठौड आदि उपस्थित रहे।

पेहल गांव की पहाड़ी पर भीषण आग, ग्रामीणों में दहशत, दमकल टीम मौके पर जुटी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । उपखंड क्षेत्र के गांव पेहल में सोमवार शाम घड़ी स्थान के नीचे स्थित पहाड़ी पर अचानक भीषण आग लग गई। तेज लपटें उठती देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने से आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत दमकल विभाग और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया गया तो यह विकराल रूप धारण कर सकती है और पहाड़ी क्षेत्र में वन संपदा को बड़ा नुकसान हो सकता है। सूचना पर खैरथल से दमकल अधिकारी बबलू के नेतृत्व में राहुल शर्मा, प्रदीप और जितेंद्र की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। देर शाम तक दमकलकर्मी आग पर काबू पाने में जुटे रहे। प्रशासन और वन विभाग की टीमें भी मौके के लिए रवाना हो गई हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि तेज गर्मी और सूखी घास के कारण आग तेजी से फैली है।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने गांधी नगर कॉलनी चिड़ावा में नवनिर्मित कुएं का किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने सोमवार को गांधीनगर में नवनिर्मित कुएं का उद्घाटन किया। वार्डवासियो ने दहिया का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा , नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जय सिंह माठ, ओबीसी मोर्चा जिला संयोजक डॉ बी एल वर्मा, राज कुमार गजराज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पार्टी के पदाधिकारी लोग उपस्थित रहे। राजेश दहिया ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व जल मंत्री कन्हैलाल चौधरी का धन्यवाद करते हुए कहा कि क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि इस कुएं के निर्माण से वार्ड के दर्जनों परिवारों को शुद्ध और पर्याप्त जल की सुविधा मिल सकेगी।

अधिक मास में सुंदरकांड व हवन से मिलता है आध्यात्मिक लाभः आचार्य संजय शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । झुंझुनूं मार्ग स्थित ढण्ढों वाले बालाजी मंदिर के निकट सोमवार को सावलोदिया परिवार की ओर से सुंदरकांड पाठ, हवन एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना एवं हवन में आहुति दी। इस अवसर पर आचार्य संजय शर्मा ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) में सुंदरकांड का पाठ और हवन करना आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन अनुष्ठानों से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, जीवन में सुख-समृद्धि आती है तथा जप-तप का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि श्रीरामचरितमानस का सुंदरकांड पाठ संकटों से मुक्ति दिलाने वाला माना गया है, वहीं इसके नियमित पाठ से मन को शांति और मानसिक तनाव से राहत मिलती है। आचार्य संजय लुमास ने बताया कि सुंदरकांड के साथ बजरंग बाण का पाठ भक्तों को विशेष शक्ति और साहस प्रदान करता है। वहीं हवन को नकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष एवं पितृ दोष निवारण का प्रभावी आध्यात्मिक कर्म बताया। उन्होंने कहा कि हवन में आहुति देने से वातावरण शुद्ध होता है तथा आरोग्य एवं पारिवारिक शांति की प्राप्ति होती है। अधिक मास में विष्णु सहस्त्रनाम अथवा राम नाम मंत्रों से हवन करना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। कार्यक्रम का आरंभ विद्वान पंडितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना से हुआ। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, कुमाराम, मूलचंद शर्मा, ज्ञानचंद शर्मा, राजेश शर्मा, मनोज शर्मा, संदीप शर्मा, संजय शर्मा, सोनू, राजकुमार इंदौरिया, अजय व्यास, ओमप्रकाश डुडवा, बाबूलाल, गौरव, मुकुल, चिंटू, दक्ष, अनूप सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में संजय शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर आभार व्यक्त किया।

जन्मदिवस पर भाजपा नेत्री डॉ. अंजली यादव ने केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव से लिया आशीर्वाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । भाजपा नेत्री डॉ. अंजली यादव ने रविवार को अपने जन्मदिवस के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव से उनके दिल्ली स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं उनकी धर्मपत्नी बबीता यादव का आशीर्वाद प्राप्त किया। आत्मीय माहौल में हुई इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने डॉ. अंजली यादव को जन्मदिवस की स्नेहपूर्ण शुभकामनाएं दीं। उन्होंने डॉ. यादव को जनसेवा और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करने का संदेश दिया। डॉ. अंजली यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव उनके आदर्श और मार्गदर्शक हैं। उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वचन सदैव उनके लिए ऊर्जा और संकल्प का स्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री के अनुभव और विचारों से उन्हें हमेशा नई दिशा मिलती है, जिससे वे जनता की सेवा में और अधिक सक्रियता से जुड़ पाती हैं। डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी का आभार जताते हुए कहा कि उनके स्नेह और मार्गदर्शन से वे क्षेत्र में संगठन और जनसेवा के कार्यों को और मजबूती से आगे बढ़ाएंगी।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बना 'श्री राम परिवार', शुरू किया परिंडा अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

आसमान से बरसती आग और भीषण गर्मी के इस दौर में बेजुबान पक्षियों को राहत देने के लिए 'श्री राम परिवार' ने एक बार फिर अपनी अनूठी और सराहनीय पहल की है। संस्था द्वारा पक्षियों के लिए विशेष 'परिंडा अभियान' का आगाज किया गया। अभियान की शुरुआत सोमवार को खेतड़ी रोड स्थित मुक्तिधाम परिसर में विधि-विधान से 11 परिंडे बांधकर की गई। श्री राम परिवार के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पक्षियों के पीने के पानी के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस बार संस्था के सदस्यों ने शहर के विभिन्न सार्वजनिक, राजकीय और धार्मिक स्थानों पर परिंडे लगाने और नियमित रूप से उनमें पानी भरने का सामूहिक संकल्प लिया है। संस्था का मुख्य उद्देश्य ही बेजुबान व बेसहारा पशु-पक्षियों की निःस्वार्थ सेवा करना है, जिसके लिए पूरी टीम हर वक्त तत्पर रहती है। भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल होकर दम तोड़ने वाले पक्षियों को बचाना ही इस अभियान का एकमात्र लक्ष्य है। समाज के हर नागरिक को अपने घर की छत और आसपास बेजुबानों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था अवश्य करनी चाहिए। इस पुनीत और परोपकारी कार्य के दौरान श्रीराम परिवार के साथ-साथ बच्चों में भी भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में सुनील शर्मा, मुकेश पारीक, पवन शर्मा नवहाल, सुरजीत सैनी, नवीन सोनी, कृष्ण स्वामी, अमित सैनी, सी एस सुनील शर्मा, धर्मेन्द्र वर्मा, राजकुमार अग्रवाल, कन्हैयालाल लाठ, मनोज शर्मा, अमित चोटीया, सत्यनारायण वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, राकेश शर्मा, राजकुमार जांगिड़, नितेश जांगिड़, मनीष शर्मा, रजनीकान्त सहित कई गणमान्य जन और नन्हें-मुन्हें बाल-गोपाल उपस्थित रहे। सभी ने इस अभियान को सफल बनाने और परिंडों की नियमित देखरेख की जिम्मेदारी ली।

मोहलड़िया में शिव समाज सेवी मेला संपन्न, कुश्ती दंगल-भण्डारा और रात्रि जागरण में उमड़ी भीड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । ग्राम मोहलड़िया, तहसील नीमराना में सोमवार को हर वर्ष की भांति शिव समाज सेवी मेला, कुश्ती दंगल एवं विशाल भण्डारा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। ग्रामवासियों द्वारा आयोजित इस मेले में दिनभर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 8 बजे हवन के साथ हुई। इसके बाद प्रातः 11 बजे आयोजित विशाल भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सायं 5 बजे कुश्ती दंगल का शुभारंभ हुआ, जिसमें आसपास के नामी पहलवानों ने दांव-पेंच दिखाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। रात्रि 10 बजे से शुरू हुए जागरण में हरियाणा के मशहूर कलाकार प्रशान्त एण्ड पार्टी ने भजनों की शानदार प्रस्तुतियां देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में अलवर भाजपा जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, भाजपा नेत्री डॉ. अंजली यादव, समाजसेवी इन्द्र यादव, सरस डेयरी अलवर के चेयरमैन नितिन सागवान, पूर्व कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी संजय कुमार तथा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नीमराना वेदप्रकाश सैनी शामिल हुए। पुरस्कार वितरण बिरजानन्द यादव द्वारा किया गया। अनिल यादव पूर्व सरपंच रावण भी उपस्थित रहे कार्यक्रम के संयोजक पूर्व सरपंच राजबीर और विनीत हरिसिंह पहलवान रहे। स्वागतकर्ता के रूप में कुश्ती कोच दलपाल सिंह ने भूमिका निभाई। पूरे कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कुश्ती कोच हनुमान सिंह ने किया। आयोजकों ने मेले को सफल बनाने के लिए क्षेत्रवासियों का आभार जताया। प्रचार सौजन्य मल्टी स्पोर्ट्स एकेडमी, मोहलड़िया द्वारा किया गया।

फौलादपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नालसा व राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजनाओं की दी जानकारी

कानून की जानकारी ही सुरक्षा की पहली सीढ़ीः वक्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । शाहजहांपुर क्षेत्र के फौलादपुर गांव में आमजन को उनके कानूनी अधिकारों एवं सरकारी सहायता योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को फौलादपुर गांव में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को विभिन्न विधिक योजनाओं, अधिकारों एवं सरकारी सहायता प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से नालसा एसिड अटैक पीड़ितों के लिए कानूनी सेवा योजना 2016, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना 2011 तथा नालसा बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना 2024 के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जागरूक किया गया। पैरा लीगल वॉलिंटियर सुनील कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि एसिड अटैक पीड़ितों को न केवल चिकित्सा सहायता, बल्कि निःशुल्क कानूनी सहायता, परामर्श, पुनर्वास एवं मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए नालसा द्वारा विशेष योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता एवं अन्य आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकता है। राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना 2011 के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि हत्या, दुष्कर्म, एसिड अटैक, मानव तस्करी, बाल अपराध एवं अन्य गंभीर अपराधों के पीड़ितों को राज्य सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसके लिए आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से किया जा सकता है। नालसा बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना 2024 के अंतर्गत बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर अपराध, शोषण एवं हिंसा से बच्चों को सुरक्षित रखने के कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, महिला अधिकार, बाल संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारियां भी प्रदान की गईं। वक्ताओं ने कहा कि कानून की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। जागरूक नागरिक ही अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए समाज में न्याय एवं समानता स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों से जरूरतमंद लोगों तक कानूनी जानकारी पहुंचाने एवं कानून के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर वीबीजी राम (मनरेगा), सेक्रेटरी हरि सिंह मीणा, जल करण यादव, मगनसिंह मेघवाल, सुरेंद्र यादव, अंकित यादव, दिनेश यादव, रोहित, विशम्बर दयाल, संदीप स्वामी, तेजसिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंडावा में उपभोक्ता रात्रि चौपाल का आयोजन, कंज्यूमर वॉइस 2.0 न्यायोत्सव अभियान शुरू

24 दिसंबर तक 1000 प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य, पीड़ित उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय का भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपभोक्ता रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनूं के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने कंज्यूमर वॉइस 2.0 जागरूकता न्यायोत्सव अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत जिलेभर में 24 दिसंबर तक 1000 उपभोक्ता प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में एक मजबूत व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि आयोग की प्राथमिकता है कि आम उपभोक्ता बिना किसी जटिल प्रक्रिया के अपनी शिकायतों का समाधान पा सके और समयबद्ध न्याय मिले। रात्रि चौपाल में बिजली, पानी, बीमा दावा, ई-कॉमर्स, सेवा प्रदाताओं और अन्य उपभोक्ता संबंधी मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई। ग्रामीणों और उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें बिलिंग विवाद, सेवाओं में लापरवाही, बीमा क्लेम में देरी और ऑनलाइन खरीदारी से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। आयोग अध्यक्ष ने इन मामलों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित कार्रवाई और समाधान का भरोसा दिलाया। चौपाल के दौरान आयोग अध्यक्ष मनोज मील ने उपभोक्ताओं से कहा कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की सेवा में लापरवाही, अनुचित व्यापार व्यवहार या ठगी की स्थिति में आयोग तक अपनी शिकायत अवश्य पहुंचाएं। उन्होंने बताया कि जागरूक उपभोक्ता ही मजबूत समाज की नींव होते हैं। इसी दौरान मंडावा के ढिगाल रोड स्थित वार्ड नंबर 11 में हाल ही में गैस सिलेंडर लीकेज से आग लगने की घटना की जानकारी मिलने पर आयोग अध्यक्ष मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने और संबंधित विभागों से त्वरित कार्रवाई करवाने का भरोसा दिलाया। इस संवेदनशील पहल से स्थानीय लोगों में विश्वास और संतोष का माहौल देखने को मिला। उपभोक्ता रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता, स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और समिति पदाधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में आयोग ने आमजन से अपील की कि वे अपने अधिकारों को पहचानें, जागरूक बनें और न्याय के लिए आगे आएं, ताकि उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

उदयपुरवाटी जीएसएस में मेंटेनेंस के कारण 6 से 9:00 बजे तक बिजली सप्लाई रहेगी बंद

आज सुबह 6 से 9 तक विद्युत सप्लाई रहेगी बाधित

विद्युत विभाग की सहायक अभियंता मनफूल सिंह महरिया ने दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में सीकर रोड पर नांगल के पास स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय में जीएसएस में मेंटेनेंस के कारण आज सोमवार को सुबह 6:00 बजे से 9:00 बजे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेगीय उदयपुरवाटी विद्युत विभाग के सहायक अभियंता मनफूल सिंह महरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जीएसएस मेंटेनेंस के कार्य के चलते उदयपुरवाटी से निकलने वाली सभी फीडरों की सप्लाई बंद रहेगी व विद्युत विभाग के सहायक अभियंता के अनुसार इसके चलते आज सुबह 6:00 बजे से 9:00 तक विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी।

खैरवाल मोड़ से पलक झपकते उड़ाई स्कॉर्पियो, जालौर से दबोचा शातिर; कैश-दस्तावेज समेत गाड़ी बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । 'चोर कितना ही शातिर क्यों न हो, कानून की पकड़ से ज्यादा दूर नहीं भाग सकता।' इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए सदर थाना पुलिस ने खैरवाल मोड़ क्षेत्र से चोरी हुई स्कॉर्पियो गाड़ी को महज कुछ दिनों में बरामद कर जालौर जिले से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने चोरी की गई स्कॉर्पियो के साथ उसमें रखे अहम दस्तावेजों की कड़ी भी जोड़ते हुए मामले का खुलासा किया तो इलाके में चर्चा का विषय बन गया। क्षेत्र मे दिनदहाड़े और रात के अंधेरे में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच सदर थाना पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन में सदर थाना प्रभारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी गई स्कॉर्पियो को जालौर जिले के रायपुरिया क्षेत्र से बरामद किया। पुलिस ने मामले में सूजा खान पुत्र हासम खान निवासी रायपुरिया, थाना सरवाणा जिला जालौर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार सर्वेश्वर कॉलोनी निवासी योगेश कुमार गुर्जर ने 19 मई 2026 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि खैरवाल मोड़ स्थित उसकी आईमाता होटल के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो क्रमांक GJ 01 RN 5616 को अज्ञात बदमाश चुरा ले गए। परिवादी ने बताया कि वह सुबह करीब चार बजे होटल से घर आया था और गाड़ी मकान के बाहर खड़ी कर अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वापस होटल जाने के लिए बाहर निकला तो स्कॉर्पियो गायब मिली। गाड़ी में होटल की दो-तीन दिन की करीब 90 से 95 हजार रुपए की नकदी, हाथ की अंगूठी, आधार कार्ड, एसबीआई की चेकबुक तथा होटल से जुड़े अन्य जरूरी दस्तावेज भी रखे हुए थे। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं लगा तो कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और तकनीकी इनपुट जुटाए गए। जांच की कड़ियां जालौर जिले तक जा पहुंचीं, जहां पुलिस टीम ने दबिश देकर चोरी की स्कॉर्पियो बरामद कर आरोपी को धर दबोचा। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह भी खंगाल रही है कि उसके तार किसी वाहन चोरी गिरोह से जुड़े हैं या नहीं।

मंडावर एसडीएम कोर्ट खाली, वादियों की अटकी सुनवाई; समाजसेवी ने कलेक्टर व क्षेत्रीय विधायक से लगाई गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर उपखंड अधिकारी के तबादले के बाद यहां उपखंड अधिकारी न्यायालय का पद रिक्त होने से प्रशासनिक और न्यायिक कार्य प्रभावित होने लगे हैं। अदालत में लंबित प्रकरणों की सुनवाई ठप पड़ने से दूर-दराज क्षेत्रो से आने वाले वादियों और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मुद्दे को लेकर समाजसेवी एवं एडवोकेट भुवनेश त्रिवेदी ने जिला कलेक्टर दौसा को पत्र भेजकर मंडावर उपखंड अधिकारी न्यायालय में तत्काल पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने की मांग उठाई है। पत्र में बताया गया कि हाल ही में जारी तबादला सूची में मंडावर उपखंड अधिकारी का स्थानांतरण हो चुका है और अधिकारी रिलीव भी हो चुके हैं। ऐसे में मंडावर उपखंड कार्यालय में पीठासीन अधिकारी का पद खाली पड़ा है, जिसके चलते न्यायालय में विचाराधीन राजस्व व अन्य मामलों की सुनवाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले परिवादी कई-कई दिनों से तारीख पर पहुंच रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं होने से उन्हें मायूस लौटना पड़ रहा है। एडवोकेट त्रिवेदी ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मंडावर में स्थायी रूप से नए उपखंड अधिकारी की नियुक्ति होने तक महवा उपखंड अधिकारी को मंडावर उपखंड अधिकारी न्यायालय का अतिरिक्त चार्ज सौंपा जाए, ताकि न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू बनी रहे तथा आमजन को शीघ्र और सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि न्यायालय में सुनवाई बाधित होने से सबसे ज्यादा असर ग्रामीण और जरूरतमंद लोगों पर पड़ रहा है, जिन्हें हर तारीख पर समय और धन दोनों खर्च कर अदालत पहुंचना पड़ता है। पत्र की प्रति क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र मीना को भी सूचनार्थ भेजी गई है। क्षेत्र में इस मांग को लेकर लोगों में भी चर्चा बनी हुई है और ग्रामीणों का कहना है कि मंडावर जैसे बड़े उपखंड क्षेत्र में न्यायालय का लंबे समय तक रिक्त रहना प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। अब लोगों की नजर जिला प्रशासन के फैसले पर भी टिकी हुई है कि आमजन की परेशानी को देखते हुए कब तक वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाती है।

इंडाली में निकली प्रभात फेरी, परिंदों के लिए बांधे गए परिंडे

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

वंदे-गंगा जल संरक्षण जन अभियान अभियान के तहत सोमवार को इंडाली के महात्मा गांधी शहीद घनश्याम राजकीय विद्यालय में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्था प्रधान सुरेंद्र कुमार डूडी ने बताया कि समाज सेवा शिविर प्रभारी एवं वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक करुणा शर्मा तथा दल नायक सुमित्रा महला के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी के दौरान विद्यार्थियों ने जोशीले नारों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश दिया और जल बचाने के लिए प्रेरित किया। रैली के बाद विद्यालय के दोनों अनुभागों में प्रधानाचार्य के नेतृत्व में बेजुबान परिंदों के लिए 30 परिंडे बांधे गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने इन परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अगले चरण में जल संरक्षण विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रा तमन्ना कंवर ने प्रथम तथा छात्र लक्की ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार डूडी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ को जल संरक्षण की शपथ दिलाई तथा जल बचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक महेंद्र योगी, पंचायत शिक्षक प्रदीप बुडानिया, बाबूलाल मीणा, सहायक कर्मचारी सुंदर लाल शर्मा, नरेश कुमार मीणा सहित अभिभावकों में सुलतान सिंह गोदारा एवं सोनू नेहरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शिविर प्रभारी की ओर से सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। दल नायक सुमित्रा महला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विद्यालय में हुए विविध कार्यक्रम, विद्यार्थियों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत सोमवार को शहीद कर्नल जेपी जानू राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना रहा।इस दौरान एडीओ जयप्रकाश महला ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संदेश दिया तथा विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उप प्राचार्य अंजू चौधरी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 'वंदे गंगा प्रभात फेरी' का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को जल संरक्षण का महत्व समझाया गया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने जल बचाने और जल संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में व्याख्याता विजेंद्र ने विद्यार्थियों को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण अपनाने की सलाह देते हुए प्लास्टिक से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। एसीबीओ संजय झाझड़िया ने समाज सेवा शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को समाजहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिविर प्रभारी उर्मिला बिजारनिया, व्याख्याता विमल कंवर, उमराव बुड़ानिया, रवीश राहड़, रमेश तेतरवाल, पवन सहित विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीआईए टोहाना ने 6.62 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को किया काबू

आरोपी को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सीआईए टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जाखल की बाजीगर बस्ती निवासी गुलजार पुत्र बलविंद्र को 6.62 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान टोहाना से जाखल क्षेत्र की ओर मौजूद थी। इसी दौरान कडैल चौक के पास एक युवक पुलिस वाहन को देखकर अचानक वापस मुड़कर तेज कदमों से जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की, जिसने अपनी पहचान वार्ड नंबर 9, बाजीगर बस्ती जाखल निवासी गुलजार पुत्र बलविंद्र के रूप में बताई। उन्होंने बताया कि नियमानुसार तलाशी के दौरान आरोपी की लाल रंग की कैफरी की जेब से एक पारदर्शी पाउच बरामद हुआ, जिसमें से 6.62 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में थाना जाखल में अभियोग संख्या 66 दिनांक 23.05.2026, धारा 21बी/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

फतेहाबाद से मथुरा पंचायतों के निरीक्षण के लिए प्रतिनिधिमंडल रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद जिले से सरपंचों एवं पंचों के प्रतिनिधिमंडल को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले की पंचायतों का निरीक्षण करने के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह ने झंडी दिखाकर प्रतिनिधिमंडल को रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि इस अध्ययन दौरे का उद्देश्य प्रतिनिधिमंडल को पंचायतों में किए जा रहे विकास कार्यों, स्वच्छता प्रबंधन, ग्रामीण विकास योजनाओं तथा पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली से अवगत करवाना है, ताकि फतेहाबाद जिले की पंचायतों में भी बेहतर व्यवस्थाओं एवं विकास मॉडल को अपनाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से जनप्रतिनिधियों को नई योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी मिलती है, जिससे ग्रामीण विकास को गति देने में सहायता प्राप्त होती है।प्रतिनिधिमंडल मथुरा जिले की विभिन्न पंचायतों का दौरा कर वहां चल रही योजनाओं और व्यवस्थाओं का अवलोकन करेगा। इस मौके पर जिला परिषद के लेखाधिकारी राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नीमराना में 'वंदे गंगाजल संरक्षण अभियान' का शुभारंभ, जल बचाने का दिया संदेश; प्रचार के अभाव में रही कम भागीदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से सोमवार को नीमराना में 'वंदे गंगाजल संरक्षण अभियान' का उपखंड स्तरीय शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचीन तालाब के समीप स्थित नगर पालिका पार्क में किया गया, जहां जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं भविष्य में संभावित जल संकट से बचाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संतोष यादव रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नीमराना के पूर्व प्रधान बलवान सिंह यादव एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह भाया मौजूद रहे। वक्ताओं ने जल को जीवन का आधार बताते हुए आमजन से पानी की बचत करने और जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। अतिथियों ने कहा कि लगातार गिरते भूजल स्तर और बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। लोगों को घरों व सार्वजनिक स्थानों पर पानी का दुरुपयोग रोकने तथा वर्षा जल संचयन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने पर जोर देते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अभी से जागरूक होना जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी जल बचाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। हालांकि, प्रशासनिक सूचना एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के अभाव में उपखंड स्तरीय इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमजन की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उपखंड प्रशासन और नगर पालिका की ओर से प्रभावी प्रचार किया जाता तो अधिक संख्या में लोग जुड़ सकते थे। वहीं भीषण गर्मी के बीच आयोजित कार्यक्रम में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं सहित कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी की अव्यवस्था पूरे कार्यक्रम के दौरान चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में प्राचीन तालाब में वर्षा जल संचय का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। स्थानीय लोगों ने बताया कि तालाब तक पानी पहुंचने वाले रास्तों पर अतिक्रमण होने के कारण बरसात का पानी तालाब तक नहीं पहुंच पाता। लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से जल संरक्षण को लेकर कागजों में तो योजनाएं बनती हैं, लेकिन धरातल पर प्रभावी कार्य नहीं हो पाता। यदि अतिक्रमण हटाकर जल निकासी व वर्षा जल के रास्तों को दुरुस्त किया जाए तो प्राचीन तालाब में जल संचय संभव हो सकेगा, जिससे आसपास के भूजल स्तर में भी सुधार होगा। इस अवसर पर नीमराना उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, विकास अधिकारी नरेंद्र शर्मा, सहायक विकास अधिकारी ओमप्रकाश निर्मल, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कुसुम गोयल, फॉरेस्टर अशोक कुमार सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा नीमराना के पूर्व सरपंच अशोक मुद्गल, पर्यावरण प्रेमी भूपेंद्रचौहान, मुकेश राव, सुनील सैन, राशन डीलर बिशनलाल योगी, पूर्व शिक्षाविद लक्ष्मीनारायण योगी सहित कस्बे के गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मण्डावर फाटक पर बोलेरो सवार बदमाशों का हमला, युवक को मरा समझकर भागे

महवा ड्यूटी जाने से रोकने की धमकी का आरोप, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय' कहावत रविवार रात उस समय सच साबित होती नजर आई, जब मण्डावर रेलवे फाटक पर बोलेरो सवार बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावर युवक को मरा समझकर मौके से फरार हो गए। घायल युवक ने पारिवारिक रंजिश और महवा में ड्यूटी नहीं करने देने की धमकी का आरोप लगाते हुए मण्डावर थाने में मामला दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार अलवर जिले के रैणी थाना क्षेत्र के भीखाहेड़ी कलां निवासी अशोक कुमार मीना रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे मण्डावर से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान रेलवे फाटक बंद मिलने पर वह वहां रुक गया। आरोप है कि तभी एक बोलेरो गाड़ी वहां आकर रुकी और उसमें सवार 5-6 युवक नीचे उतरकर अचानक अशोक पर टूट पड़े।पीड़ित के अनुसार बदमाशों ने लाठी-डंडों, बेल्ट, लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की तथा उसकी बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हुए हमले से अशोक बेहोश होकर गिर पड़ा। आरोप है कि हमलावर उसे मृत समझकर मण्डावर की ओर फरार हो गए। घायल अशोक कुमार मीना ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि घटना के पीछे उसके छोटे भाई की पत्नी एवं महवा निवासी राधा मीना का हाथ है। पीड़ित ने बताया कि शनिवार को उक्त महिला उसके घर आई थी और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए कहा था कि 'सोमवार को महवा में ड्यूटी करके बताना।' अशोक का आरोप है कि रविवार को उसी के कहने पर बदमाशों से हमला कराया गया, ताकि वह महवा ड्यूटी पर नहीं जा सके। पीड़ित ने पुलिस को आशंका जताई है कि ड्यूटी पर जाते समय उसके साथ फिर कोई बड़ी वारदात हो सकती है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने सुनसान स्थान पर खुलेआम हुई इस वारदात को कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला बताया। मण्डावर थाना पुलिस ने पीड़ित अशोक कुमार मीना पुत्र जगदीश प्रसाद मीना निवासी भीखाहेड़ी कलां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई प्रताप सिंह चौधरी को सौंपी गई है।

चुस्त-दुरुस्त पुलिसिंग की दिशा में फतेहाबाद पुलिस का बड़ा कदम

एसपी निकिता खट्टर ने साप्ताहिक परेड का निरीक्षण कर अनुशासन, फिटनेस और जनसेवा पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस लाइन फतेहाबाद में आयोजित साप्ताहिक पुलिस परेड के दौरान जिले के पुलिस बल की तैयारियों, अनुशासन और कार्यक्षमता का आकलन किया गया। परेड में पुलिसकर्मियों की शारीरिक दक्षता, एकरूपता और सतर्कता का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला। परेड का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने ड्रिल, टर्नआउट तथा पुलिसकर्मियों के समन्वय का बारीकी से निरीक्षण किया और नियमित अभ्यास व अनुशासित दिनचर्या बनाए रखने के निर्देश दिए।निरीक्षण उपरांत एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि प्रभावी पुलिसिंग के लिए अनुशासन, सजगता और मानसिक मजबूती बेहद आवश्यक है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखते हुए संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। परेड के बाद पुलिस अधीक्षक ने ईआरवी, राइडर और पीसीआर यूनिट्स की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए रिस्पॉन्स टाइम बेहतर करने तथा फील्ड में अधिक सक्रियता बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों की व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के अंत में एसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम, योग और नशामुक्त दिनचर्या बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विभिन्न जिलों से विधायक चंद्रप्रकाश के आवास पर पहुंचे कार्यकर्ता, शुभकामनाएं दी

विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने विधायक चंद्रप्रकाश से मुलाकात करके दी शुभकामनाएं

पेट्रोल व डीजल के लगातार बढ़े दामों से महंगाई में और अधिक होगा इजाफा : विधायक चंद्रप्रकाश

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार / मंडी आदमपुर।

रजत विजय रंगा । विधायक चंद्रप्रकाश के प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन बनने के उपरांत शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है। जींद, करनाल, झज्जर, बहादुरगढ़, सोनीपत, हिसार, फतेहाबाद, बीकानेर व भादरा सहित विभिन्न जिलों से कई संगठनों के प्रतिनिधि व कार्यकर्ता विधायक चंद्रप्रकाश के हिसार स्थित आवास पर पहुंचे और उनसे मुलाकात करते हुए बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की। इसी भांति विभिन्न स्थानों पर विधायक चंद्रप्रकाश को समाज के प्रबुद्धजनों ने सम्मानित करके अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर चंद्रप्रकाश ने सभी संगठन प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा व समर्पण भाव से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओबीसी के हक की आवाज हर मंच पर बुलंद की जाएगी। इस अवसर पर विधायक चंद्रप्रकाश ने देश व प्रदेश की वर्तमान स्थिति पर असंतोष जताते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से जनता का जीना दूभर हो गया है। आम आदमी के लिए राशन तक खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल व डीजल के लगातार बढ़ते दामों से महंगाई में और अधिक इजाफा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 दिनों में पेट्रोल व डीजल की कीमतों में चार बार बढ़ोतरी कर दी है। इसी भांति रसोई गैस के बढ़े हुए दामों से भी आम आदमी की समस्याएं बढ़ गई है। इससे भी बढ़कर लोगों को रसोई गैस समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। चंद्रप्रकाश ने कहा कि सरकार महंगाई पर लगाम लगाने की अपेक्षा उदासीन रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की समस्याएं समझते हुए ईंधन के दाम कम करके राहत प्रदान करनी चाहिए। चंद्रप्रकाश ने कहा कि देश व प्रदेश में बेरोजगारी निरंतर बढ़ती जा रही है। बेरोजगार युवा दिशाहीन होकर असामाजिक तत्वों के चंगुल में फंस रहे हैं और नशे व अन्य अपराधों की तरफ उन्मुख हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए कि जिससे रोजगार बढ़े और युवा स्वावलंबन की तरफ अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित के बड़े-बड़े दावे तो करती है लेकिन सच्चाई यह है कि यह सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

रहाणे अभी आईपीएल खेलते रहेंगे, संन्यास के संकेत नहीं दिये

कोलकाता।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 19 वें सत्र में यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का इस सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और टीम लीग स्तर के 14 मैचों में से केवल 6 ही जीता पायी जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे 13 अंक लेकर वह 7वें स्थान पर रही। रहाणे की कप्तानी में ये लगातार दूसरा सत्र है जब टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। टूर्नामेंट से टीम के बाहर होने के बाद रहाणे से जब उनके भविष्य की योजना को बारे में पूछा गया तो उन्होंने संन्यास के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए बस कुछ दिनों का ब्रेक है। मैं मुंबई में अपनी स्थानीय लीग खेलने जा रहा हूं जिसके लिए मैं उत्साहित हूं। मैं तब तक खुश हूं जब तक मैं क्रिकेट खेल रहा हूं। कुछ दिनों के बेक्र के बाद फिर फिर मैदान में आउंगा।÷ इससे साफ है कि वि अभी खेलते रहेंगे। रहाणे ने कहा कि सत्र समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों के साथ एक बैठक होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि फिलहाल खिलाड़ियों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं।

आईपीएल प्लेऑफ प्रारुप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमें खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारुप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारुप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं– क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर 1 खेलती हैं। इस मैच का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाता है, जबकि हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया जाता। उसे अपनी किस्मत आज़माने का एक और मौका मिलता है, और वह क्वालीफायर 2 में जाती है। यह शीर्ष दो में रहने का सबसे बड़ा लाभ है।

एलिमिनेटर– नंबर तीन और चार पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। यह नॉक आउट मैच होता है। इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है। वहीं जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में प्रवेश करती है।

क्वालीफायर 2– यह फाइनल में पहुंचने का अंतिम रास्ता है। इसमें क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम खेलती है। इसमें जीतने वाली टीम फाइनल में जाती है, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाती है।

इससे साफ है कि लीग में केवल शीर्ष 4 में आना ही काफी नहीं, बल्कि शीर्ष -2 में

जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रॉफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीज़न (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारुप का इस्तेमाल किया था। लेकिन ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद एक खराब दिन के कारण बाहर होने वाली टीमों को राहत देने दे प्रारुप शुरु किया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए, 2011 में आईपीएल में पहली बार प्लेऑफ प्रारुप को पेश किया गया।

यह इतना सफल और रोमांचक साबित हुआ कि आज ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश सहित दुनिया भर की कई अन्य क्रिकेट लीग भी इसी प्रारुप के आधार पर चल रही हैं।

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन

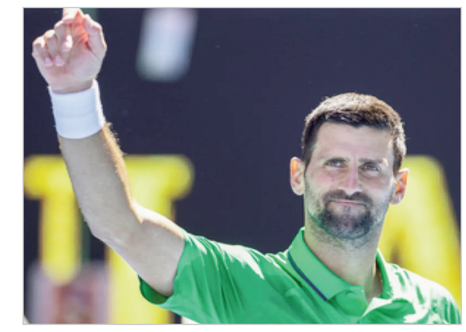

एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पासिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीज़न दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की ज़रूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाज़ी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज़ कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज़ डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक ज़ोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ़ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज़ पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंक इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में

157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 583 रनों के साथ शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाए हुए हैं

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 में सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम बनी सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम के तौर पर सामने आयी है। आईपीएल 2026 के लीग स्तर में 70 रोमांचक मुकाबलों के बाद कुल 25,846 रन बने। इन मैचों के बाद चार टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची हैं। क्वालीफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच 26 मई को जबकि एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 27 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस पूरे लीग चरण के दौरान बल्लेबाज हावी रहे। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद रही। उसने लीग स्टेज में कुल 2,854 रन बनये। आंकड़ों पर गौर करें तो 10 में से 9 टीमें 2500 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रहीं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स सबसे कम 2,309 रन बनाकर इस सूची में सबसे नीचे रही। सनराइजर्स हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स 2,711 रनों के साथ दूसरे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2,642 रनों के साथ तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 2,619 रनों के साथ चौथे, दिल्ली कैपिटल्स 2,559 रनों के साथ पांचवें, गुजरात टाइटंस 2,558 रनों के साथ छठे, मुंबई इंडियंस 2,553 रनों के साथ सातवें, चेन्नई सुपर किंग्स 2,553 रनों के साथ आठवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 2,511 रनों के साथ नौवें पायदान पर रही। इस सत्र में कुल 16,790 रन चौके और छक्के से बने । लीग स्टेज में कुल 2,174 चौके और रिकॉर्ड तोड़ 1,349 छक्के लगे, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार छक्कों का आंकड़ा 1300 के पार ले गया है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक 53 छक्के लगाये, वहीं गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 62 चौकों के साथ सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेंदबाजी और फील्डिंग के आंकड़ों पर नज़र डालें तो लीग स्टेज के दौरान कुल 15,731 गेंदें फेंकी गईं, जिसमें 759 वाइड और 58 नो बॉल भी शामिल थीं।

बीमारी से जूझते कांबली का दिखा अटूट क्रिकेट प्रेम, मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेट विनोद गंभीर रुप से बीमार होने के बाद भी मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। गंभीर इस दौरान बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बाद भी उनका स्टेडियम पहुंचना क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को दिखता है। इस एक वीडिया भी सोशल मीडिया पर छाया है। इसमें 54 साल के कांबली दो लोगों का सहारा लिए हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कमजोर दिख रहे कांबली के चेहरे पर हालांकि क्रिकेट देखने की खुशी इस दौरान नजर आयी। कांबली के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। उनकी बीमारी और अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की खबरें आती रही हैं। इस वीडियो से संकेत मिलते हैं कि वह अब धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कांबली काफी समय बाद सार्वजनिक तौर पर नजर आए हैं।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों। बुमराह ने इस सीजन में कुल 49 ओवर गेंदबाजी की थी। बुमराह टी20 विश्व कप 2024 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी

आई। कोच ने यह भी जोड़ा कि इस सत्र में विपक्षी टीमों ने बुमराह के एक अलग रणनीति बनायी थी। मुंबई इंडियंस के दूसरे गेंदबाज दूसरी छोर से दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाए, जिसका फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों ने बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लिया जिसमें वे सफल रहे। गया है जिसे वे और उनके प्रशंसक जल्द से जल्द भुलाना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्या ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर हैं। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेल पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्या ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्या ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब से तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपके नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टों के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंक तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक विशेष लाभ मिलता है। वे सीधे पहले क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती हैं। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। देवदत्त पडिक्कल ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी

की बात करें तो भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन अपनी स्विंग और नियंत्रण से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है, और उन्हें जोश हेजलवुड का भी साथ मिला। वहीं दूसरी ओर, युवा शुभमन गिल के नेतृत्व में गुजरात टाइटंस ने भी इस सीजन में धमाकेदार खेला है। 14 लीग मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ, जीटी ने अंक तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित किया।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा। कोलकाता के खिलाफ लगाया गया यह अर्धशतक उनके आईपीएल करियर का 51वां अर्धशतक था।

एथेनॉल आधारित स्टोव से सस्ता होगा खाना बनाना

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में विकसित एथेनॉल आधारित स्वदेशी कुकिंग स्टोव तकनीक का अनावरण करते हुए दावा किया है कि इस तकनीक से खाना बनाने की लागत एलपीजी गैस की तुलना में कम होगी। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल घरेलू ऊर्जा खर्च को कम करने में मदद करेगी, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 40 करोड़ रुपये की नई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की। गडकरी ने बताया कि इस नए स्टोव में एथेनॉल और पानी के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि केवल 7 प्रतिशत एथेनॉल को पानी में मिलाकर ऐसी लौ तैयार की जा सकती है, जो खाना पकाने के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उनके अनुसार यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है और भारतीय वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि इसे बड़े स्तर पर लागू किया जाता है, तो यह एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम

कर सकता है और आम लोगों के लिए रसोई गैस का सस्ता विकल्प बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री लंबे समय से एथेनॉल को वैकल्पिक ईंधन के रूप में बढ़ावा देते रहे हैं। उनका मानना है कि एथेनॉल के इस्तेमाल से भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी और किसानों को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। वर्तमान में भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कारण केंद्र सरकार लगातार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2014 में जहां पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल आधारित स्टोव तकनीक घरेलू रसोई के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। देश के करोड़ों परिवार आज भी एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं और लगातार बढ़ती कीमतों से प्रभावित होते हैं। ऐसे में यह तकनीक सस्ती, पर्यावरण अनुकूल और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विकल्प प्रदान कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से 40 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की जा रही है, जिससे बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित की जा सके।

गुजरात से पहली बार कांग्रेस का नहीं होगा कोई राज्यसभा सांसद

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात में कांग्रेस पार्टी के लिए एक और बेहद चिंताजनक खबर है। राज्य में लगातार घटते जनाधार के बीच अब देश के सर्वोच्च सदन (राज्यसभा) में भी पार्टी का वजूद पूरी तरह सिमटने जा रहा है। गुजरात से कांग्रेस के एकमात्र राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल आगामी 21 जून को समाप्त हो रहा है। इसके बाद इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब राज्यसभा में गुजरात से कांग्रेस का एक भी प्रतिनिधि नहीं बचेगा। गुजरात की 4 राज्यसभा सीटों के लिए आगामी 18 जून को चुनाव होने जा रहे हैं। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखें तो इन सभी सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में भाजपा के पास 162 विधायकों का भारी बहुमत है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सिमटकर महज 12 विधायकों पर आ गई है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के 5, समाजवादी पार्टी का 1 और दो निर्दलीय विधायक हैं। इस संख्या बल के कारण कांग्रेस के पास नया सांसद चुनने की कोई उम्मीद नहीं बची है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, इन सीटों के लिए 1 जून को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 8 जून है, जबकि 9 जून को पर्चों की जांच होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक गांधीनगर स्थित विधानसभा परिसर में मतदान होगा और उसी दिन शाम 5 बजे से मतों की गिनती शुरू हो जाएगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक संपन्न कर ली जाएगी। गौरतलब है कि गुजरात में राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं। इनमें से वर्तमान में 10 सीटों पर भाजपा का कब्जा है और एकमात्र सीट कांग्रेस के पास थी, जो अब हाथ से निकल जाएगी। शक्तिसिंह गोहिल के अलावा जिन अन्य तीन सांसदों का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है, उनमें भाजपा के नरहरि अमीन, रमीला बारा और राम मोकारिया शामिल हैं।

एनटीए की कार्यशैली पर सवालिया निशान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें : कांग्रेस

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने नीट परीक्षा विवाद को सिर्फ पेपर लीक तक सीमित नहीं बताते हुए पूरे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीट घोटाला नहीं, बल्कि एनटीए घोटाला है. इसकी सीबीआई एवं ईडी से जांच करायी जानी चाहिये। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर अंबा प्रसाद ने कहा कि एनटीए देश में केवल नीट ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और वैज्ञानिक क्षेत्रों सहित 21 से अधिक परीक्षाएं आयोजित करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 में पारदर्शिता और केंद्रीकरण के नाम पर गठित एनटीए अब छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 23 लाख छात्र नीट परीक्षा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन अब तक जवाबदेही तय नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले में कुछ कोचिंग संचालकों, दलालों और छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई हुई, लेकिन शिक्षा मंत्रालय और एनटीए प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यदि नीट जैसी परीक्षा प्रभावित हो सकती है, तो एनटीए द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कानून बनाया जाना चाहिए और पेपर लीक मामलों की जांच विशेषज्ञ एजेंसी से करायी जानी चाहिये। दोषियों के लिए कठोर सजा का प्रावधान भी होना चाहिये। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनल शांति समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा परिसर एवं परिसर के आस-पास के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन'' घोषित

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। कार्यालय अधीक्षक जिला जेल जारी विज्ञप्ति अनुसार जिला जेल दंतेवाड़ा के संपूर्ण परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं स्थानीय पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियों से परामर्श उपरांत जिला जेल दंतेवाड़ा के सम्पूर्ण परिसर के चारों दिशाओं में 200 मीटर की दूरी तक के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन''घोषित किया जाता है। क्योंकि बिना अनुमति ड्रोन का संचालन जेल परिसर क्षेत्र में सुरक्षा उल्लंघन एवं अवैध निगरानी को बढ़ावा दे सकता है। तद्नुसार – कोई भी व्यक्ति बिना पूर्व लिखित अनुमति जिला दण्डाधिकारी अथवा सक्षम सुरक्षा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना इस क्षेत्र में किसी प्रकार के ड्रोन मानवरहित विमान का संचालन नहीं करेगा। अधिसूचित क्षेत्र मंत किसी भी प्रकार की अनाधिकृत ड्रोन गतिविधि दण्डनीय अपराध मानी जाएगी एवं संबंधित कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

14 साल लड़की ने अस्पताल के बाथरूम में बच्ची को दिया जन्म

-पुलिस ने करीबी रिश्तेदार को किया गिरफ्तार, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक किशोरी ने सरकारी अस्पताल में बच्ची को जन्म देने के बाद रेप के आरोप में एक युवक को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने शुक्रवार शाम को अस्पताल के बाथरूम में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसके बाद अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। संभागीय पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और शनिवार को बेंगाबाद पुलिस थाना क्षेत्र से लड़की के एक करीबी रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि लड़की का बयान एक महिला पुलिस अधिकारी ने दर्ज किया और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद लड़की बाथरूम गई, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि बाद में उसने अस्पताल परिसर से निकलने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि मां और नवजात शिशु को बाद में एम्बुलेंस से दूसरे चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। दोनों स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, मीडिया से संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मीडिया और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ कर रही है, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर मीडिया में आ रहे बयानों और चर्चाओं से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए किसी भी पक्ष को सार्वजनिक बयानबाजी से बचना चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मृतका की सास एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायपालिका पर ट्रायल में देरी के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह रिश्तेदारों और परिचितों के बयानों को सनसनीखेज तरीके से पेश न करे। अदालत ने यह भी कहा कि जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में पूरा होने दिया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र स्थित अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि ट्विशा के परिवार ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के आरोप में ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी मां गिरिबाला सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोपाल की एक अदालत ने समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं गिरिबाला सिंह ने कहा है कि पुलिस ने अब तक इस मामले में उनका बयान दर्ज नहीं किया है। मामले को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करें और मीडिया रिपोर्टिंग तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

अपराधियों के सम्राट जवाब दें कि पिछले 1 महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चे गायब क्यों हुए?- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की सम्राट सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, आज समूचे बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डायलॉग बाजी से ही बिहार सम्भालने की गलतफहमी पाले बैठे 'बयान बहादुर' की सरकार में बिहार की कानून व्यवस्था इतनी बुरी तरह खराब हो चुकी है कि पिछले 1महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चों के गायब हुए है, जिसमें 85 फीसद लड़कियां हैं। बिहार में प्रतिदिन अनेकों दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं घटती है। घर में घुसकर महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जाता है। चंद दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। स्वर्णकारों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाएँ होती है। हर जिले में हर दिन हत्या, लूट और चोरी की वारदात हो रही है। लेकिन इसके बावजूद पूरे जीवन में बार-बार राजनीतिक गमछा और चश्मा बदलने वाले असहाय मुख्यमंत्री 'एआई तकनीकयुक्त कैमरा' का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आर्टिफिशियल बातें करने वाले आर्टिफिशियल सीएम को न तो बिहार की फिक्र है और न ही बिहारवासियों की। बिहार की एनडीए सरकार में पहले रेप पीड़िता नीट छात्रा की हत्या और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास, बिहार में 'अपराधियों के सम्राट रूप धारण करने का प्रमाण है।' बिहार के अलग-अलग जिलों की छात्राएं पटना में रहकर पढ़ाई करती है लेकिन एनडीए राज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बेहद चिंताजनक है। नारी 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पटना महिलाओं के लिए देश का सबसे असुरक्षित शहर है। तेजस्वी यादव कहते कि पाताल से अपराधियों को ढूंढ़ने का दावा कर डायलॉग बांचने वाले कृत्रिम तरीके से नॉमिनेटेड मुख्यमंत्री बने 'अपराधियों के सम्राट' की सरकार में पुलिस और कानून का डर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बड़बोले मुख्यमंत्री से आग्रह है कि टपोरियों की तरह सड़कछाप डायलॉगबाजी छोड़, रीलबाजी से फुर्सत निकाल कर बिहार की मातृशक्ति की सुरक्षा के लिए कारगर उपाय करें। हम महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होने देंगे।

अचानक सिद्धारमैया को दिल्ली बुलावा, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें शुरु

आज होने वाली बैठक के एजेंडे में संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल

बैंग्लुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चल रही अंदरूनी कलह और खींचतान के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। मंगलवार को सीएम सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है, जहां वे कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अपनी इस यात्रा के दौरान सिद्धारमैया कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात कर सकते हैं। बुलावे के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

आधिकारिक तौर पर इस बैठक के एजेंडे में आगामी संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल हैं। माना जा रहा है कि सिद्धारमैया आलाकमान के साथ बैठक में इन मुख्य विषयों पर चर्चा कर सकते हैं जिसमें आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन और रणनीति पर बात होना तय है। कर्नाटक में होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों की तैयारियों और टिकट बंटवारे को लेकर भी मंथन होगा। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन चुनावों के बहाने असली बातचीत राज्य सरकार के नेतृत्व और सीएम की कुर्सी को लेकर होना है।

बता दें इससे पहले 20 मई को, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ बातचीत की थी। सूत्रों के मुताबिक खड़गे तिरुवनंतपुरम से सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बेंगलुरु आए थे। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और सीएम पद को लेकर चल रही लगातार अटकलों पर चर्चा हुई।

यह घटनाक्रम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के बाद सामने आया। साथ ही, यह सीएम पद को लेकर सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रही लंबी सत्ता की खींचतान के बीच हुआ है। पिछले साल नवंबर में जब कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर लिया, तो नेतृत्व-साझेदारी का मुद्दा और भी जोर पकड़ गया। इससे इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच रोटेशनल मुख्यमंत्री की व्यवस्था को लेकर अटकलें फिर से तेज हो गईं हैं।

बता दें पिछले 18 महीनों से शिवकुमार के समर्थक दावा करते आ रहे हैं कि वह जल्द ही सीएम का पद संभाल लेंगे, हालांकि अभी तक ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले तीन सालों से एक ही बात दोहराई जा रही है। राज्य इकाई के भीतर असंतोष बढ़ रहा है। कई नेता आलाकमान से आग्रह कर रहे हैं कि इस भ्रम को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। उनका तर्क है कि यह लंबी अनिश्चितता कर्नाटक में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। अब तक केंद्रीय नेतृत्व ने कई कारणों का हवाला देते हुए इस पर कोई अंतिम फैसला लेने से परहेज़ किया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की चेतावनी – सबका हिसाब होगा

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए कथित हमलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा की कानूनी जांच कराई जाएगी और पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा। नंदीग्राम में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हुए हमलों का पूरा रिकॉर्ड रखा गया है और समय आने पर कानून के तहत कार्रवाई होगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कानून हाथ में न लेने की भी अपील की। मुख्यमंत्री के रूप में जीत के बाद पहली बार नंदीग्राम पहुंचे शुभेंदु अधिकारी ने इस क्षेत्र को अपनी राजनीतिक यात्रा का केंद्र बताते हुए भावुक अंदाज में कहा कि यहां के लोगों ने उन्हें हमेशा समर्थन दिया और कई लोगों ने उनके लिए संघर्ष भी किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई भाजपा समर्थकों के घर तोड़े गए और अनेक लोगों पर हमले हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे किसी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई न करें, क्योंकि भाजपा इस तरह की राजनीति में विश्वास नहीं करती। अधिकारी ने कहा कि उन्हें हर घटना याद है और किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं किया जाएगा।

सड़कों पर जानवर चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं वहां नमाज जायज नहीं

–मौलाना रशीदी ने सीएम योगी का किया समर्थन, मुस्लिमों को पिटवाना चाहती हैं पार्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन (एआईआईए) के प्रमुख मौलाना साजिद रशीदी ने सड़क पर नमाज को लेकर शिफ्ट में नमाज को जायज ठहराते हुए कहा कि सड़क नापाक होती है और इसलिए वहां मुसलमानों के इबादत नहीं करनी चाहिए। रशीदी ने कहा कि सड़क पर जानवर भी चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं। उन्होंने मुसलमानों को उकसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ पार्टियां उन्हें पिटवाना चाहती हैं।

एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में मौलाना रशीदी ने सड़क पर नमाज ना पढ़ने का सीएम योगी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सीएम का बयान बिलकुल सही है। हमने कोरोना काल में भी नमाजे शिफ्ट में पढ़ी हैं। उन्हें पता है कि शिफ्ट में नमाज हो सकती है, इसलिए उन्होंने ऐसा बयान दिया है। पूरे देश और प्रदेश में किसी मौलवी ने उनका खंडन नहीं किया। कोई खंडन कर रहा है तो वह कांग्रेस-सपा के लोग या उनसे जुड़े नेता हैं। उनको पता नहीं दीन के बारे में कि नमाज शिफ्ट में भी पढ़ी जा सकती है।

मौलाना रशीदी ने इस्लाम के दो सिद्धांतों का जिक्र करते हुए बताया कि क्यों सड़क पर नमाज पढ़ना जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम का बुनियादी सिद्धांत है कि नमाज नापाक जगह पर नहीं पढ़ी जा सकती है। सड़क पाक नहीं हो सकती है, कैसे पाक होगी जब उस पर लोग, जानवर चलते हैं, थूकते हैं और पेशाब भी करते हैं। सबकुछ होता है तो कैसे नमाज हो सकती है। दूसरा सिद्धांत यह है कि वह मुसलमान नहीं हो सकता है जिससे किसी दूसरे को तकलीफ पहुंचे। अगर आप सड़क जाम करते हैं तो लोगों तकलीफ भी हो सकती है।

मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि कुछ समय पहले तक कुछ मुसलमान अपराधों में लिप्त थे, लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद अब वे शिक्षा की राह पर चल रहे हैं। रशीदी ने कहा कि पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जो फ्री हैंड दिया था मुसलमानों को उससे कई कमियां आ गईं। उससे मुसलमानों का भला नहीं हुआ, शिक्षा से दूर हो गए। कई बुराइयां उनमें आ गईं। आज मुसलमान 15-20 साल से और जब से बीजेपी सरकार आई है मुसलमानों ने बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। चाहे गरीब मजदूर है वह भी पढ़ा रहा है।

रशीदी ने कहा कि बुलडोजर ऐक्शन को लेकर कहा कि यह उन लोगों के खिलाफ रहा है जो गलत काम में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्लमंदी इसी में है कि हवा के खिलाफ मत चलो। सपा से जुड़े एक सवाल पर रशीदी ने कहा कि हमें नहीं चाहिए ऐसी पार्टी जिसका मकसद यह हो कि मुसलमान नमाज के लिए सड़क पर उतरे, उनकी पिटाई हो, मुकदमे लगे, जेल जाएं और उनके घर टूटे। क्या अखिलेश यादव बनवा देंगे घर किसी का। आजम खान को तो बचा नहीं पाए।

बीजेपी के माननीय दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचा रहे

–सपा अध्यक्ष अखिलेश ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट पर सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट और भीषण गर्मी को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता के बढ़ते आक्रोश से भयभीत बीजेपी विधायक और सांसद अब दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में जुटे हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह जनहित की चिंता नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले डूबती बीजेपी से दूरी बनाकर अपनी सियासत सुरक्षित करने की कोशिश है, जबकि बिजली संकट और अव्यवस्था का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

अखिलेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि यूपी में असहनीय 'महा विद्युत आपदा' की वजह से लगातार बढ़ते आक्रोश से बचने के लिए भयभीत भाजपाई विधायक-सांसद दिखावटी चिट्ठियों के रूप में जिस 'कागजी कवच' से खुद को बचाना चाह रहे हैं, वह चिट्ठी दरअसल अपनी सरकार को लिखा कोई 'जनहित का पत्र' नहीं, बल्कि बीजेपी रूपी डूबते जहाज को छोड़कर आगामी चुनावों में विपक्ष से टिकट पाने के लिए लिखा गया 'आवेदन पत्र' है। उन्होंने लिखा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है, जो जनता को दुख-दर्द और दिक्कतों के सिवा कुछ नहीं देते। इस जानलेवा गर्मी में परिवारों के बड़े-बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और खाने-पानी की व्यवस्था में जुटी महिलाओं की क्या दुर्दशा हो रही है, यह केवल परिवार वाले ही समझ सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि कभी आपदा में अवसर ढूंढने वालों ने अवसर की जगह जिस 'अफसर' को ढूंढा था, वही अफसर अब स्वयं आपदा साबित हो रहा है। समस्या का समाधान पूछने पर दोनों हाथ खड़े करके नारे लगाकर बच निकलने वालों के रहते समस्या नहीं सुलझेगी। अखिलेश ने कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार भी जानती है कि अब वह कभी वापस नहीं आएगी, इसलिए वह जनता की मुश्किलों और मांगों को पूरी तरह नजरअंदाज करके बस अपने खजाने भरने में लगी है।

जैसलमेर में डंपिंग यार्ड में मिलीं सैकड़ों मृत गायें, वायरल वीडियो के बाद प्रशासन पर उठे सवाल

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले से सामने आई एक दर्दनाक घटना ने गौ संरक्षण और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है। नगर परिषद क्षेत्र के कचरा डंपिंग यार्ड में बड़ी संख्या में मृत गायों के सड़े हुए शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों और गौ सेवकों में भारी आक्रोश फैल गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में खुले मैदान में सैकड़ों गायों के शव पड़े दिखाई देने के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब सात किलोमीटर दूर रामगढ़ मार्ग पर नगर परिषद का डंपिंग यार्ड स्थित है। रविवार को वायरल हुए वीडियो में वहां बड़ी संख्या में मृत गायों के शव दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से मृत पशुओं के उचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं की जा रही थी, जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बदबू और गंदगी का माहौल बना हुआ था, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

बताया जा रहा है कि नगर परिषद ने मृत पशुओं के निस्तारण का कार्य एक अधिकृत हड्डी ठेकेदार को सौंप रखा था। आरोप है कि समय पर शवों को हटाने और उनका वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण नहीं किए जाने के कारण बड़ी संख्या में मृत पशु डंपिंग यार्ड में जमा होते गए। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय नागरिकों और गौ प्रेमियों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जैसलमेर जिला कलेक्टर अनुपमा जोरवाल ने अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। वहीं नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढा ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। प्रशासन का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही डंपिंग यार्ड से मृत पशुओं को हटाकर उनका निस्तारण कराया गया है। साथ ही पूरे मामले की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गौ संरक्षण को लेकर सरकार और प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि केवल मंचों से गौ सेवा और गौ रक्षा की बातें करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए जमीनी स्तर पर मजबूत व्यवस्थाएं तैयार करनी होंगी। लोगों ने गौशालाओं में बेहतर सुविधाएं, पर्याप्त चारे-पानी और पशुओं के समय पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय गौ सेवकों ने दावा किया कि जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शव खुले में पड़े थे और दुर्गंध के कारण वहां खड़ा रहना मुश्किल हो रहा था। गौ सेवक हुक्मदान ने कहा कि जिस समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, वहां इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय हैं। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों

से जवाबदेही तय करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। यह मामला अब प्रदेश में गौ संरक्षण से जुड़ी व्यवस्थाओं और उनकी वास्तविक स्थिति पर बड़ा सवाल बनकर उभरा है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका की पीएम बोलीं– तनाव भरी दुनिया में कॉमनवेल्थ बेहद जरूरी मंच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूरिया ने कहा है कि आज के बढ़ते वैश्विक तनाव और अस्थिर माहौल में राष्ट्रमंडल राष्ट्र सदस्य देशों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने 21 मई 2026 को कॉमनवेल्थ महासचिव शर्ली बॉचवे से मुलाकात के दौरान यह बयान दिया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून लगातार कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में कॉमनवेल्थ जैसे संगठन देशों के बीच भरोसा बढ़ाने और संवाद बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग, साझेदारी और एक-दूसरे की आवाज सुनना आज पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। अमरासूर्या ने कहा कि कॉमनवेल्थ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविध सदस्यता है, जहां छोटे और विकासशील देशों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों का असर सीधे श्रीलंका जैसे देशों पर पड़ रहा है। मध्य पूर्व संकट के कारण खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों पर पड़ रहे असर को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉमनवेल्थ आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश– दो अहम बंदरगाहों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए 3 बड़े रणनीतिक समझौतों से बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश ने अमेरिका को अपने दो अहम बंदरगाहों चिटगांव–मतारबाड़ी के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी सहमति बनी है। अमेरिकी नौसेना व सैन्य जहाज अब इन दोनों बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिका की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी काफी मजबूत होगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान–निकोबार द्वीप समूह से करीब 1100 किमी दूर है, इसलिए इसे भारत की सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका की विशेष नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है और वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेन : रैली निकाल मांगा पीएम का इस्तीफा

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के समाजवादी प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को राजधानी मैड्रिड में हजारों स्पैनवासियों ने विशाल विरोध रैली निकाली। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पीएम के आधिकारिक आवास के चारों ओर लगी बाधाओं को तोड़ने की कोशिश भी की। स्पैनिश सिविल सोसाइटी एसोसिएशन की अगुवाई में स्पैनवासियों ने यह रैली भ्रष्टाचार के कई घोटालों के सामने आने के विरोध में निकाली। इन लोगों के हाथों में समाजवादी माफिया का इस्तीफा और अन्य नारों वाले बैनर थे। विपक्षी पीपल्स पार्टी और धुर–दक्षिणपंथी वॉक्स पार्टी के नेताओं ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने पीएम के आवास मॉनक्लोआ पैलेस की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नकाबपोश लोगों के एक समूह को हिरासत में लिया। इस पैलेस में ही सांचेज अपने परिवार के साथ रहते हैं। मार्च फॉर डिग्निटी (गरिमा मार्च) में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए।

सेनेगल : राष्ट्रपति ने पीएम को हटाया

डकार, एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने वर्षों से जारी तनाव के बाद पीएम ओस्मान सोनको को बर्खास्त कर दिया है। सरकार के महासचिव उमर सांबा बा ने शुक्रवार देर रात इस फैसले की घोषणा की। पास्टेफ पार्टी के फाये व सोनको के बीच खुले टकराव के बाद यह बर्खास्तगी की गई। दबा ने कहा, पीएम को बर्खास्त करने के बाद सरकार के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

स्पेसएक्स का अब तक का सबसे बड़ा स्टारशिप प्रक्षेपित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अब तक का अपना सबसे बड़ा, शक्तिशाली व अगली पीढ़ी के उन्नत स्टारशिप रॉकेट का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में रॉकेट ने 20 नकली उपग्रहों का एक समूह तैनात किया था। स्टारशिप, टेक्सास के दक्षिणी छोर से रवाना हुआ और हिंद महासागर में नियंत्रित लैंडिंग की। यह उस रॉकेट की 12वीं परीक्षण उड़ान है, जिसे एलन मस्क लोगों को मंगल तक ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

ट्रंप थे व्हाइट हाउस के अंदर, बाहर चलीं गोलियां; सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को किया ढेर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास शनिवार रात अचानक गोलीबारी से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के नजदीक 17 स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू इलाके में करीब 30 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। यह इलाका आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक संदिग्ध बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस के बाहर बने सुरक्षा बूथ पर फायरिंग शुरू कर दी, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। जवाबी कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के जवानों ने भी गोली चलाई, जिसमें संदिग्ध हमलावर घायल हो गया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि किसी सीक्रेट सर्विस अधिकारी के घायल होने की खबर नहीं है।

गोलीबारी के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप : घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। फिलहाल उनके सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि व्हाइट हाउस की छत पर काउंटर स्नाइपर्स को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे से तुरंत निपटा जा सके। घटना के समय सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी। इस गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई। व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन को तुरंत खाली कराया गया और कुछ समय के लिए लॉकडाउन लागू किया गया। वहां मौजूद पत्रकारों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनते ही उन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम के अंदर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया।

सोशल मीडिया पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दी जानकारी : अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्हें 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू के पास गोली चलने की सूचना मिली है। यह इलाका व्हाइट हाउस से सिर्फ एक ब्लॉक दूर बताया जा रहा है। एजेंसी ने कहा कि जमीन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

रिपोर्ट– हमलावर खुद को जीजस मानता था : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिरे बेस्ट मानसिक रूप से परेशान था और वह पहले भी कई बार व्हाइट हाउस के आसपास देखा गया था। उसके खिलाफ कोर्ट का आदेश था कि वह व्हाइट हाउस के पास नहीं आए, लेकिन उसने इस आदेश को नहीं माना। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून 2025 को उसने सड़क पर गाड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेंटल हेल्थ सेंटर भेजा गया था। करीब दो हफ्ते बाद, 10 जुलाई 2025 को वह व्हाइट हाउस के प्रतिबंधित इलाके में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गिरफ्तारी के समय उसने खुद को आज के दौर का जीजस बताया था। उसने अधिकारियों से यह भी कहा था कि वह गिरफ्तार होना चाहता था।

इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही : गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। स्न्क्क्ष् डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे कई पत्रकार : रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को व्हाइट हाउस परिसर के आसपास मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियों की आवाजें सुनीं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत सभी पत्रकारों को प्रेस ब्रीफिंग रूम में जाने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर निकलने से भी रोक दिया। इससे इलाके में तनाव और सतर्कता का माहौल बन गया।

घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित बताए गए हैं और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, वॉशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलहाल मामले पर विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही मामले को लेकर बयान जारी कर सकती है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की निगरानी कर रही हैं और आसपास की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कांगो में इबोला का खतरा बढ़ा: इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 संदिग्ध मरीज लापता

किंशासा , एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 संदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुडी ने बताया कि मोंगबवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट संदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 संदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं। इससे एक दिन पहले र्वामपारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को र्वामपारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंडीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरुआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा। पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है।रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है।

मोरक्को के राजा ने अफ्रीका कप फाइनल हिंसा के 18 सेनेगली प्रशंसकों को दी माफी; सांचेज से मांगा इस्तीफा

रबात, एजेंसी। मोरक्को के राजा मोहम्मद ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फाइनल के दौरान हुई हिंसा के मामले में जेल भेजे गए 18 सेनेगली फुटबॉल प्रशंसकों को माफ कर दिया है। यह फैसला ईद-अल-अजहा के मौके पर मानवीय आधार पर लिया गया। इन प्रशंसकों को फरवरी 2026 में खेल परिसर को नुकसान पहुंचाने और खेल आयोजन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में एक साल तक की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग अपनी सजा पूरी भी कर चुके थे। जनवरी में खेले गए अफ्रीका कप फाइनल में सेनेगल और मोरक्को के बीच मुकाबले के दौरान भारी हंगामा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ सेनेगली समर्थकों ने मैदान में घुसने की कोशिश की थी। वहीं सेनेगल की टीम ने मेजबान मोरक्को को दिए गए आखिरी मिनट के पेनल्टी फैसले का विरोध करते हुए मैदान छोड़ दिया था। हालांकि सेनेगल ने मैच 1-0 से जीत लिया था, लेकिन बाद में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने विवादित फैसला लेते हुए सेनेगल से खिताब छीनकर मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया। सेनेगल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। घटना के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश भी सामने आए थे। इसके बावजूद दोनों देशों के नेताओं ने आपसी रिश्ते मजबूत बनाए रखने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई।

असीम मुनीर ने पेजेश्कियन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर से संबंधित बातचीत के सिलसिले में तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से मुलाकात की। ईरान के आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, सीडीएफ मुनीर ने ईरान के संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी मुलाकात की है। अल अरबिया ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि मुनीर ने तेहरान को अमेरिका के मैसेज भेजे थे और उन मैसेज में युद्ध फिर से शुरू करने की धमकी भी शामिल थी। मेहर न्यूज के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि 'अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।' पेजेश्कियन ने मुनीर से मुलाकात के दौरान अपनी बात की शुरुआत इस्लामिक एकता की जरूरत पर जोर देते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने असल में अंतरराष्ट्रीय कानूनी फ्रेमवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने जोर दिया, 'हम बस अपने देश के जायज और कानूनी अधिकारों को असलियत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ' बार-बार वादे तोड़ने, बातचीत के दौरान हमलों और अधिकारियों की हत्याओं की वजह से अमेरिका पर ईरानियों के भरोसे में कमी का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, 'ऐसे हालात में, ईरान बातचीत के रास्ते पर है, पाकिस्तान जैसे दोस्त देशों के साथ भाईचारे वाले संबंधों पर भरोसा कर रहा है, लेकिन हमारा मुख्य मकसद बस सही समाधान के साथ ईरानी देश के हितों को सुरक्षित करना है। ' उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका नहीं जीतेगा; बल्कि, इस इलाके और दुनिया के देशों को गंभीर नुकसान होगा। यहूदी शासन ही एकमात्र पार्टी है जो युद्ध के जरिए इस इलाके में अपने फायदे सुरक्षित करना चाहती है। ' दूसरी तरफ, मुनीर ने कहा कि इजरायल मुसलमानों के बीच झगड़े और मतभेद में अपना फायदा ढूंढता है। पाकिस्तान सिर्फ स्थिरता बनाना चाहता है और इलाके में युद्ध को जारी रहने और दोबारा होने से रोकना चाहता है। सेना ने एक बयान में कहा है कि आसिम मुनीर ने ईरान का एक छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। बयान में कहा गया है कि पिछले ?24 घंटों में हुई बातचीत से आखिरी समझौते की दिशा में अच्छी तरक्की हुई है। इसके अलावा, पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान के कृषि मंत्री घोलमरेजा नूरी घेजेलजेह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कृषि क्षेत्र में समझौतों में तेजी लाने और जरूरी चीजों के ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच कृषि और पशुधन व्यापार में साझा मौकों पर भी जोर दिया।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। हजारों लोगों ने राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली खत्म होने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूहों और दंगा पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें और फ्लेयर फेंके, जबकि पुलिस ने जवाब में पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। सर्बिया में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार और सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। इस प्रदर्शन को छात्र संगठनों और युवाओं का बड़ा समर्थन मिला। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। हजारों लोग राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन की शुरुआत नवंबर 2024 की ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद हुई थी। छात्र संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और समय से पहले चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के बाद बेलग्रेड में हिंसा कैसे भड़की : बेलग्रेड के केंद्रीय चौक पर हुई बड़ी रैली शुरुआत में शांतिपूर्ण रही। प्रदर्शनकारी 'स्टूडेंट्स विन' लिखी टी-शर्ट और बैनर लेकर पहुंचे थे। लेकिन मुख्य कार्यक्रम खत्म होने के बाद कुछ युवा समूह पुलिस से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें कई फुटबॉल हूलीगन भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कूड़ेदान लाकर बैरिकेड बनाए और पुलिस पर चीजें फेंकीं। इसके बाद दंगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस ने इलाके में दंगा नियंत्रण वाहन भी तैनात किए ताकि प्रदर्शनकारी दोबारा मुख्य इलाके में न पहुंच सकें।

छात्र आंदोलन आखिर किस मुद्दे पर शुरू हुआ : सर्बिया में यह आंदोलन नवंबर 2024 में हुई एक ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद शुरू हुआ था। देश के उत्तरी हिस्से में हुई इस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दिए। आंदोलन लगातार बढ़ता गया और भारी दबाव के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया। छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में विफल रही है। प्रदर्शनकारी अब समय से पहले संसदीय चुनाव कराने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल माजा मिलास मार्कोविच नाम की एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि छात्रों ने अपनी ऊर्जा और एकजुटता से लोगों को साथ लाने का काम किया है।

रूस के कॉलेज पर हुए ड्रोन हमले में मौत का आंकड़ा बढ़ा, मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

मॉस्को, एजेंसी। रूस के लुहांस्क इलाके के स्टारोबेल्स्क में एक डॉरमेट्री पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार मलबे में और शव मिले हैं। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सर्विस ने बताया कि मलबे के नीचे तीन और बच्चे हो सकते हैं। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया, 'मलबे से दो और लोगों की लाशें बरामद की गईं। इससे घायलों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिनमें से 18 की मौत हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को स्टारोबिल्स्क कॉलेज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की थी। रूसी जांच कमेटी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको के मुताबिक, कॉलेज को यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सेज ने चार फिक्स्ड-विंग यूएवी से हमला किया था। जब हमला हुआ, तो 14 से 18 साल के 86 बच्चे उस जगह पर मौजूद थे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की निंदा की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'हम आम लोगों और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यूक्रेन के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगा कि हम स्टारोबिल्स्क शहर में एक कॉलेज की बिल्डिंग और डॉरमेट्री पर रातभर हुई गोलाबारी की रिपोर्ट पर चिंता के साथ नजर रख रहे हैं, जिसमें बच्चों समेत कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। ' इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन हैं। दुजारिक ने आगे कहा, 'हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे ऐसे किसी भी काम से बचें जिससे पहले से ही खतरनाक स्थिति और बिगड़ सकती है।

हमले के बाद रूस के कहने पर बुलाई गई सुरक्षा परिषद की मीटिंग में वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि हथियारों वाली लड़ाई के दौरान बच्चों, स्कूलों और अस्पतालों को कभी भी टारगेट नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रेजियर ने कहा, 'आम लोगों, बच्चों, मानवीय मदद करने वाले लोगों और आम चीजों को, जिसमें स्कूल और अस्पताल भी शामिल हैं, कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उनके घरों, उनके क्लासरूम और उनके भविष्य को नुकसान नहीं स्वीकार किया जा सकता। ' यूएन में अमेरिका की उपस्थायी प्रतिनिधि टैमी ब्रूस ने कहा, 'हम कल रात लुहांस्क में हुई मौतों और घायलों की रिपोर्ट पर नजर रख रहे हैं। इस हमले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। जब तक हम इन सवालों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं, हम युद्ध को हमेशा के लिए, बातचीत से खत्म करने के तरीके के तौर पर तुरंत और पूरी तरह से सीजफायर की जरूरत पर जोर देते हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान शांति समझौता लगभग तय, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोला जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन और तेहरान एक बड़े शांति समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। यह बातचीत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कई नेताओं के साथ हुई कॉल्स के बाद आगे बढ़ी, जिनमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और खाड़ी देशों के नेता भी शामिल थे। शनिवार को 'ट्रुथ सोशल' पर किए गए एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के कई देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब सिर्फ कुछ आखिरी बातें बाकी हैं। ट्रंप ने लिखा, 'मैं व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हूं, जहां अभी हमारी सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कतर के अमीर तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी, प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम बिन जाबेर अल थानी, कतर के मंत्री अली अल-थावादी, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर अहमद शाह, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यह बातचीत ईरान और शांति से जुड़े एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर केंद्रित थी। '

ट्रंप ने कहा कि यह हाल के महीनों में ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक पहल में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि? अमेरिका, ईरान और ऊपर बताए गए दूसरे देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है, बस अंतिम मंजूरी बाकी है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अलग से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और वह भी बहुत अच्छी रही।

ट्रंप के मुताबिक, अब बातचीत समझौते की आखिरी शर्तों और विवरणों पर चल रही है। डील के अंतिम पहलुओं और बारीकियों पर चर्चा जारी है, और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रंप के बयान का सबसे अहम हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। उन्होंने लिखा, 'समझौते के कई दूसरे हिस्सों के साथ-साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी खोला जाएगा।' इस बयान पर भारत में भी खास नजर रहेगी, क्योंकि भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर आयात करता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव को हमेशा चिंता की नजर से देखता रहा है।

अगर ईरान से जुड़ा तनाव कम होता है, तो इससे तेल की कीमतों, शिपिंग में रुकावट और सप्लाई चेन से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्तावित समझौता ज्ञापन की पूरी जानकारी साझा नहीं की और न ही यह बताया कि इसमें कौन-सा देश क्या भूमिका निभाएगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भी फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

60 दिन के लिए बढ़ेगा अमेरिका-ईरान युद्धविराम : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर बड़ी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देश 60 दिन के लिए युद्धविराम बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे दोबारा खोलने और ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करने या सौंपने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों में ढील देने और कुछ प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com